● वर्ष : 17 ● अंक : 97 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित शनिवार 24 जनवरी 2026

केरल की रेल कनेक्टिविटी और मजबूत हुई, विकास परियोजनाएं नए अवसर पैदा करेंगी : पीएम मोदी

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि केरल में शुरू की गई विकास परियोजनाएं राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करेंगी, रेल कनेक्टिविटी को सशक्त बनाएंगी और आम लोगों के लिए नए अवसर सृजित करेंगी। उन्होंने कहा कि ये पहलें केरल की विकास यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत हैं और 'विकसित भारत' के संकल्प को और मजबूत करती हैं। तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत, शहरी आजीविका से जुड़ी योजनाएं, विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में निवेश तथा स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार केरल को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तिरुवनंतपुरम दौरे के दौरान केरल को रेल कनेक्टिविटी, शहरी आजीविका, विज्ञान एवं नवाचार और स्वास्थ्य से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात मिली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने तीन अमृत भारत एक्सप्रेस सहित कुल चार नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाई तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने कहा , "कुछ ही देर पहले अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई गई है। ये ट्रेनें केरल के भीतर यात्रा को सुगम बनाएंगी और पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा लाभ देंगी। गुरुवायूर और त्रिशूर के बीच नई यात्री ट्रेन से यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। ये सभी पहलें केरल के समग्र विकास को गति देंगी। प्रधानमंत्री ने नागरकोइल–मंगलूरु, तिरुवनंतपुरम–तांबरम और तिरुवनंतपुरम–चारलापल्ली मार्गों पर चलने वाली तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ किया। इसके साथ ही त्रिशूर–गुरुवायूर के बीच एक नई यात्री ट्रेन सेवा भी शुरू की गई। इन सेवाओं से केरल का तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के साथ रेल संपर्क और मजबूत होगा। इससे यात्रियों को सुरक्षित, किफायती और समयबद्ध यात्रा सुविधा मिलेगी, वहीं पर्यटन, व्यापार, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। कनेक्टिविटी के महत्व पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मजबूत रेल अवसंरचना आर्थिक विकास, पर्यटन को प्रोत्साहन और रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभाती है। बेहतर संपर्क से व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी और छात्रों, कामकाजी लोगों तथा छोटे कारोबारियों को विशेष लाभ मिलेगा। शहरी आजीविका और गरीब कल्याण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री ने 'पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड' लॉन्च किया।

शिक्षापत्री द्विशताब्दी समारोह स्वदेशी, सेवा और ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देगा: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज देश स्वदेशी, स्वच्छता और 'वोकल फॉर लोकल' जैसे जन-आंदोलनों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि जब समाज के प्रयास इन अभियानों से जुड़ेंगे, तो शिक्षापत्री का यह द्विशताब्दी समारोह और भी यादगार बन जाएगा। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिक्षापत्री द्विशताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान स्वामी नारायण की शिक्षापत्री के 200 वर्ष पूर्ण होना हम सभी के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने भगवान स्वामी नारायण के करोड़ों अनुयायियों को द्विशताब्दी महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। मोदी ने कहा कि भारत प्राचीनकाल से ज्ञानयोग के लिए समर्पित रहा है। वेद, उपनिषद, पुराण, श्रुति और स्मृति जैसी परंपराओं ने समय के अनुरूप समाज का मार्गदर्शन किया। अलग-अलग कालखंडों में महात्माओं और ऋषि-मुनियों ने इस परंपरा को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि भगवान स्वामी नारायण ने अपने जीवन प्रसंगों और लोकशिक्षा के माध्यम से सरल शब्दों में जीवन का अनमोल मार्गदर्शन दिया, जो शिक्षापत्री के रूप में आज भी प्रासंगिक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान स्वामी नारायण का जीवन साधना के साथ सेवा की प्रतिमूर्ति था। आज उनके अनुयायियों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान कल्याण और जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। समाज, राष्ट्र और मानवता की सेवा के प्रति संतों और हरि भक्तों की सक्रिय भूमिका प्रेरणादायी है। मोदी ने कहा कि देश में प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए 'ज्ञान भारतम मिशन' शुरू किया गया है और प्रबुद्ध संगठनों से इसमें अधिक सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत के प्राचीन ज्ञान और पहचान को बचाने में यह सहयोग अहम भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर देश में चल रहे 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का भी उल्लेख किया और सभी से इस सांस्कृतिक महोत्सव से जुड़ने तथा उसके उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

गाजा पीस बोर्ड: शांति मंच या डोनाल्ड ट्रंप की बादशाहत?

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित "गाजा पीस बोर्ड" का विचार जितना महत्त्वाकांक्षी है उतना ही विवादास्पद भी है। गाजा जैसे जटिल और संवेदनशील समेत संघर्षशील क्षेत्र के लिए एक नया अंतरराष्ट्रीय मंच डोनाल्ड ट्रंप खड़ा करके अपनी बादशाहत कायम करने दादागिरी कर अपना वर्चस्व बनाना चाहते हैं। जिस तरह से इस बोर्ड की संरचना, सदस्यता और नेतृत्व की रूपरेखा लेकर ट्रंप सामने आए हैं, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य स्थापित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका पर सीधी चुनौती देने का काम किया है। जहां तक भागीदारी का प्रश्न है, ट्रंप ने लगभग 50 देशों को निमंत्रण भेजा था। उनके आमंत्रण पर केवल 19 देशों की भागीदारी संभव हो पाई है। जो देश शामिल हुए हैं, उनमें अधिकांश छोटे और सीमित प्रभाव वाले देश हैं।

इस पहली बैठक में यूरोपीय संघ के प्रमुख देश शामिल नहीं हुए। रूस, चीन और भारत जैसे देश भी इस बैठक में शामिल नहीं हुए। प्रभावशाली अरब राष्ट्र इस पहल में शामिल नही हैं। इससे स्पष्ट है कि डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पीस बोर्ड के इस प्रस्ताव को दुनिया के देशों का समर्थन नहीं मिल रहा है। इस बोर्ड की वैधता और प्रभावशीलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। शांति प्रक्रिया तभी टिकाऊ हो सकती है, जब तक कि उसमें वैश्विक स्तर की सभी क्षेत्रीय शक्तियाँ और शक्तिशाली देश शामिल नहीं हो जाते। ऐसी स्थिति में इस बोर्ड का कोई महत्व नहीं रहेगा। गाजा पीस बोर्ड की "भारी भरकम फीस" को लेकर भी कई देश इसमें शामिल होने के लिए तैयार नहीं है। शांति मंच का उद्देश्य किसी भी तरह के संघर्ष का समाधान बोर्ड के माध्यम से होना चाहिए। गरीब और छोटे देश को ना तो इसमें प्रतिनिधित्व मिलेगा और ना ही वह भारी भरकम फीस अदा कर पाएंगे। छोटे देश के लिए इसकी सदस्यता भी आर्थिक भार के रूप में सामने आ रही है, जिसके कारण ट्रंप के इस प्रस्ताव को कोई समर्थन मिलता हुआ दिख नहीं रहा है। सदस्यता शुल्क अधिक होने के कारण चुनिंदा देश ही इसे वहन कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में यह मंच वैश्विक स्थिति में कोई सार्थक भूमिका निभा पाएगा इस पर अपने आप पर प्रश्न चिन्ह लगता है। इससे यह भी आशंका पैदा होती है, कि कहीं यह पहल ट्रंप की पीस बोर्ड की आड़ में व्यापारिक परियोजना के रूप में तो नहीं लाई जा रही है।

सबसे संवेदनशील प्रश्न ट्रंप के "स्थाई अध्यक्ष" बनने के प्रस्ताव से जुड़ा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में नेतृत्व आमतौर पर सामूहिक सहमति, रोटेशन और संतुलन के सिद्धांत पर आधारित होता है। स्थाई अध्यक्ष का विचार न केवल लोकतांत्रिक भावना के विरुद्ध है, बल्कि इस स्थिति में इस बोर्ड पर विश्वास करना भी कठिन हो जाता है। ट्रंप का यह प्रस्तावित बोर्ड उनके व्यक्तिगत प्रभाव और अमेरिकी वर्चस्व का एक उपकरण के रूप में देखा जा रहा है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

शिमला-मनाली में बर्फबारी, चंबा में बारिश के चलते कई क्षेत्रों में बिजली गुल

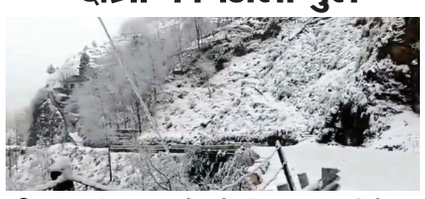

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला-मनाली में इस साल की पहली बर्फबारी हुई। बर्फबारी अभी भी जारी है। वहीं, कांगड़ा में बारिश हुई। शिमला में देर रात से ही तेज हवाएं चल रही हैं। चंबा में भी लगातार बारिश का दौर जारी है और कई क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई है। वहीं बरठीं, हमीरपुर, बिलासपुर, ऊना, मंडी व कांगड़ा में शीतलहर चली। प्रदेश में 20 प्रमुख स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। मौसम विभाग ने शुक्रवार को लाहुल स्पीति, चंबा और कुल्लू जिले में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से आंधी चलने और भारी हिमपात को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, मंडी, कांगड़ा, हमीरपुर, बिलासपुर व सोलन में आंधी के साथ ओलावृष्टि और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार को शिमला शहर के अलावा मनाली, कुफरी, नारकंडा व सोलंग वैली में भी हिमपात की संभावना है। प्रदेश में गुरुवार को कड़ाके की धूप खिली और तेज धूप के बाद शाम के समय शिमला, कांगड़ा सहित कुछ क्षेत्रों में बादल छा गए। प्रदेश में दिन के तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है।

नाइट क्लब अग्निकांड के आरोपियों और सहयोगियों के आठ ठिकानों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली। गोवा नाइट क्लब अग्निकांड में ईडी ने शुक्रवार को गोवा के चर्चित 'बिर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब अग्निकांड के आरोपियों सौरभ और गौरव लूथरा के ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने लूथरा भाइयों से जुड़े कुल 8 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की है, जिनमें से तीन ठिकाने गोवा में और पांच दिल्ली में स्थित हैं। यह कार्रवाई 6 दिसंबर को हुए उस भीषण अग्निकांड के बाद मनी लॉन्ड्रिंग के शक में की गई है, जिसमें 25 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक पुलिस जांच में पहले ही लूथरा ब्रदर्स का 42 मुखौटा कंपनियों का एक जाल है, जो दिल्ली के एक ही पते पर रजिस्टर्ड है। इन कंपनियों के जरिए करोड़ों रुपए की हेराफेरी और काले धन को सफेद करने की आशंका जताई जा रही है। हाल ही में थाईलैंड से डिपोर्ट होकर भारत लाए गए लूथरा ब्रदर्स की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। ईडी की टीमों ने शुक्रवार सुबह दिल्ली और गोवा में एक साथ दबिश दी। दिल्ली में लूथरा भाइयों के घर और उनके उत्तर दिल्ली स्थित कार्यालयों की तलाशी ली जा रही है, जहां से शेल कंपनियों के ऑपरेट होने का शक है। वहीं, गोवा के उन ठिकानों और क्लब से जुड़े कार्यालयों को खंगाला जा रहा है, जहां से वित्तीय लेन-देन होता था।

वित्त मंत्री 1 फरवरी को पेश करेंगी लेखा-जोखा, मिडिल क्लास और हेल्थकेयर पर नजर

एजेंसी। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को देश का आम बजट पेश करेंगी। पिछले बजट में नई टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री कर बड़ी राहत दी गई थी, इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार प्रत्यक्ष कर में बहुत बड़े बदलाव की संभावना कम है। हालांकि, मध्यम वर्ग को उम्मीद है कि सरकार मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) या अन्य रियायतों के जरिए कुछ अतिरिक्त लाभ दे सकती है।बजट 2026 में सरकार का मुख्य फोकस हेल्थकेयर, इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफेंस सेक्टर पर रहने की उम्मीद है। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए टियर-2 शहरों में नए मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों की स्थापना के साथ-साथ प्रिवेंटिव केयर पर निवेश बढ़ाया जा सकता है। वहीं, रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए नई वंदे भारत ट्रेनों, फ्रेट कॉरिडोर और ट्रैक विस्तार पर बड़े आवंटन की संभावना जताई जा रही है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बुनियादी ढांचे और सरकारी योजनाओं के सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित होगा, जिससे आम जनता और उद्योग जगत दोनों को संतुलित राहत मिल सके।

भारत-ईयू का वैश्विक व्यवस्था में स्थिरता लाने की जरूरत पर जोर दिया

जयशंकर ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के राजदूतों के साथ की बातचीत

एजेंसी। नई दिल्ली

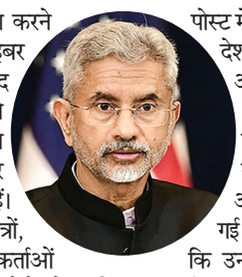

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के राजदूतों के साथ बातचीत में मजबूत व्यापार, आवाजाही और सुरक्षा साझेदारी के जरिये वैश्विक व्यवस्था में स्थिरता लाने की जरूरत पर जोर दिया। यह बैठक 27 जनवरी को प्रस्तावित भारत-ईयू शिखर सम्मेलन को ध्यान में रखकर की गई। 27 जनवरी को होने वाली बैठक में दोनों पक्षों की तरफ से व्यापार समझौते के निष्कर्षों की घोषणा करने और समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आतंकवाद का मुकाबला करने वाली एक नई सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। भारत और ईयू छात्रों, मौसमी श्रमिकों, शोधकर्ताओं और उच्च कुशल पेशेवरों की आवाजाही सुविधाजनक बनाने और अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने व्यापक गतिशीलता ढांचे पर एक समझौते की योजना बना रहे हैं। दोनों पक्ष 'सूचना समझौते की सुरक्षा' पर एक और समझौता करने की तैयारी भी कर रहे हैं। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि ईयू के सदस्य देशों के राजदूतों के साथ अपनी बैठक में उन्होंने 'दुनिया की वर्तमान स्थिति के बारे में बात की जिसमें अस्थिरता अब एक आम बात हो गई है। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने एक ऐसे मजबूत भारत-ईयू सहयोग पर जोर दिया जो लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग कर वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिम से बचाएगा और मानवीय प्रतिरोध और आपदा राहत एवं अन्य सहायता प्रदान कर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आश्वस्त करेगा। उन्होंने कहा कि भारत-ईयू को 'मजबूत व्यापार, गतिशीलता और सुरक्षा साझेदारी के जरिए वैश्विक व्यवस्था को स्थिर करने की जरूरत है। जयशंकर ने कहा कि वह यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की नई दिल्ली यात्रा का इंतजार कर रहे हैं। दोनों गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि भी होंगे। उन्होंने कहा कि ईयू के नेतृत्व की नई दिल्ली यात्रा की तैयारियां अच्छी तरह चल रही हैं लेकिन चुनौतियां भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ईयू भारत के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक है और उन्होंने भारत को यूरोप के आर्थिक लचीलेपन के लिए 'अनिवार्य' बताया।

तमिलनाडु विधानसभा ने विकसित भारत- जी राम जी के खिलाफ पारित किया प्रस्ताव, भाजपा की कड़ी आपत्ति

नई दिल्ली। तमिलनाडु विधानसभा द्वारा केंद्र सरकार के एक कानून विकसित भारत- जी राम जी के खिलाफ प्रस्ताव पारित किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ऐतराज जताते हुए इसे असंवैधानिक बताया। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने शुक्रवार को सवाल उठाया कि जब संसद से कोई कानून पारित हो चुका हो और सुप्रीम कोर्ट ने भी उस पर रोक नही लगाई है तो किसी राज्य विधानसभा को उसके खिलाफ प्रस्ताव या बिल लाने का अधिकार कैसे हो सकता है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि संविधान के तहत संसद द्वारा पारित कानून पूरे देश में लागू होते हैं और सभी राज्यों पर बाध्यकारी होते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह किसी राज्य के कानून को न तो जिला पंचायत और न ही नगर निगम नकार सकते हैं, उसी तरह राज्य सरकारें भी संसद के कानून को ठुकरा नहीं सकतीं। उन्होंने तमिलनाडु और केरल सरकारों से सवाल करते हुए कहा कि अगर राज्य विधानसभा कोई कानून बनाती है तो क्या कोई स्थानीय निकाय यह कह सकता है कि वह उस कानून का पालन नहीं करेगा? जब इसका जवाब "नहीं" है, तो यही सिद्धांत राज्यों पर भी लागू होना चाहिए।

बसंत पंचमी पर राष्ट्रपति, पीएम समेत तमाम नेताओं ने दी देशवासियों को शुभकामनाएं

एजेंसी। नई दिल्ली

बसंत पंचमी के पावन पर्व पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और मां सरस्वती से ज्ञान, विवेक और समृद्धि की कामना की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बसंत पंचमी वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है, जिसे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने मां सरस्वती की आराधना का उल्लेख करते हुए देशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि और ज्ञान के प्रकाश की कामना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बसंत पंचमी को प्रकृति की सुंदरता और दिव्यता को समर्पित पर्व बताते हुए कहा कि ज्ञान और कला की देवी मां सरस्वती का आशीर्वाद सभी को प्राप्त हो और उनके जीवन में विद्या, विवेक और बुद्धि का प्रकाश सदैव बना रहे। गृह मंत्री अमित शाह ने भी बसंत पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां सरस्वती सभी के जीवन में सकारात्मक चेतना का संचार करें। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा की बधाई देते हुए कहा कि मां शारदा की कृपा से लोगों के जीवन में आनंद, उत्साह और नवचेतना का संचार हो।

जनगणना 2027 के लिए गृह मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना, दो चरणों में होगी गणना

एजेंसी। नई दिल्ली

जनगणना 2027 को लेकर केंद्र सरकार ने औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने जारी अधिसूचना में जनगणना के पहले चरण के लिए प्रश्नावली का विवरण सार्वजनिक कर दिया है। इस चरण में घरों और मकानों की गणना की जाएगी, जिसमें कुल 33 सवाल शामिल होंगे। यह भारत की 16वीं जनगणना होगी, जिसे पहले वर्ष 2021 में कराया जाना था, लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसे टाल दिया गया था। सरकार के मुताबिक जनगणना को दो अलग-अलग चरणों में की जाएगी। पहला चरण (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन): यह चरण 1 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 तक सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संचालित होगा। हरेक राज्य को यह कार्य 30 दिनों के अंदर पूरा करना होगा। इसमें हर मकान, भवन और संस्थान से जुड़ी बुनियादी जानकारियां दर्ज की जाएंगी। दूसरा चरण (जनसंख्या गणना): फरवरी 2027 में होने वाले इस चरण में लोगों की उम्र, लिंग, शिक्षा, रोजगार, भाषा, धर्म समेत विस्तृत सामाजिक-आर्थिक जानकारी जुटाई जाएगी। इसकी प्रश्नावली बाद में जारी की जाएगी। पहले चरण की प्रश्नावली में मकान और परिवार से जुड़ी सुविधाओं पर फोकस रहेगा। इसमें मकान या भवन की पहचान संख्या, फर्श, दीवार और छत में इस्तेमाल सामग्री, मकान का उपयोग (आवासीय, व्यावसायिक आदि) और परिवार के सदस्यों की संख्या, परिवार के मुखिया की जानकारी, पेयजल, शौचालय, रसोई, गैस कनेक्शन, बिजली, इंटरनेट, वाहन स्वामित्व (कार, बाइक, साइकिल), मुख्य खाद्य उपभोग जैसे अनाज की जानकारी, यह जानकारी परिवार के वरिष्ठ सदस्य द्वारा दी जाएगी। अभियान शुरू होने से करीब 15 दिन पहले सेल्फ-एन्यूमरेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

अहम उपलब्धि: एम्स में पहली बार की गई 11 साल के बच्चे की लैप्रोस्कोपिक व्हिपल सर्जरी

एजेंसी। नई दिल्ली

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने पहली बार किसी बच्चे की लैप्रोस्कोपिक व्हिपल सर्जरी की है। यह उपलब्धि पीडियाट्रिक एंडोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इंडिया (पेसिकॉन 2026) के 21वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान सामने आई। इसका आयोजन एम्स के बाल शल्य चिकित्सा विभाग की ओर से किया जा रहा है। व्हिपल प्रक्रिया को चिकित्सकीय भाषा में पैंक्रियाटिकोड्यूओडेनेक्टॉमी कहा जाता है। इसे सामान्य सर्जरी की सबसे जटिल शल्य प्रक्रियाओं में गिना जाता है। इस ऑपरेशन में अग्न्याशय का सिर, छोटी आंत का एक हिस्सा, पित्ताशय और पित्त नली को हटाया जाता है। अब तक यह सर्जरी आमतौर पर खुले ऑपरेशन के जरिये होती थी, वह भी अधिकतर वयस्क मरीजों में। बच्चे में इस सर्जरी को लैप्रोस्कोपिक यानी दूरबीन विधि से करना भारत में पहली बार हुआ है। एम्स के डॉक्टरों के अनुसार, 11 साल की लड़की पूरी तरह से लैप्रोस्कोपिक विधि के माध्यम से इस जटिल प्रक्रिया से गुजरने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की मरीज बन गई है। एम्स के बाल शल्य चिकित्सा विभाग के प्रमुख प्रो. संदीप अग्रवाल ने इसे भारतीय बाल शल्य चिकित्सा के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण बताया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बच्चों में शरीर की बनावट अलग होती है, ऐसे में इतनी जटिल सर्जरी को न्यूनतम चीरे के जरिए करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यह ऑपरेशन लगभग साढ़े आठ घंटे तक चला, जिसमें शरीर पर केवल चार छोटे चीरे लगाए गए थे। इस सफल ऑपरेशन का नेतृत्व पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. अंजन कुमार धुआ ने किया था। इस केस प्रस्तुति को सम्मेलन में मौजूद देशभर के विशेषज्ञों ने सराहा। सर्जरी से जुड़े हर पहलू रोगी चयन, ऑपरेशन की योजना, तकनीकी चुनौतियां और जटिलताओं से बचाव पर विस्तार से चर्चा की गई। एम्स दिल्ली में पहली बार पूर्ण रूप से लैप्रोस्कोपिक पैंक्रियाटिकोड्यूओडेनेक्टॉमी (जिसे व्हिपल सर्जरी भी कहा जाता है) मार्च 2025 में की गई थी।

दिल्ली से पुणे आ रही इंडिगो फ्लाइट को बम की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली से पुणे आ रही इंडिगो फ्लाइट को बम की धमकी मिली। इस धमकी के बाद पुणे एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद विमान की पूरी जांच की गई, लेकिन कोई विस्फोटक नहीं मिला। घटना के मुताबिक, फ्लाइट का निर्धारित समय शाम 8:40 था, लेकिन विमान पुणे एयरपोर्ट पर 9:24 बजे उतरा और 9:27 बजे पार्क किया गया। इसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को बम की धमकी की सूचना मिली। रिपोर्ट्स के अनुसार, फ्लाइट के टॉयलेट में टिशू पेपर पर हाथ से लिखा एक नोट मिला, जिसमें बम होने की धमकी दी गई थी। सूचना के बाद विमान को आइसोलेशन पार्किंग में शिफ्ट किया और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) को सूचित किया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने विमान की पूरी जांच की, लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। जांच के बाद फ्लाइट को फिर से उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई। अधिकारियों ने बताया कि सभी सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए स्थिति को ठीक से संभाला गया। इस घटना के साथ ही यह पांच दिन में दूसरी बार हुआ जब किसी विमान को बम की धमकी दी गई है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

बीएमडब्ल्यू कार एक्सीडेंट मामले में दायर चार्जशीट का कोर्ट ने लिया संज्ञान

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने धौला कुआं इलाके में 2025 में हुए बीएमडब्ल्यू कांड मामले में दिल्ली पुलिस की चार्जशीट पर संज्ञान ले लिया है। जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास अंकित गर्ग ने इस मामले की आरोपित गगनप्रीत मक्कड़ को 2 फरवरी को कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी करने का आदेश दिया। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में कहा है कि आरोपित गगनप्रीत मक्कड़ की गलती से ये हादसा हुआ। इस मामले के जांच अधिकारी इंस्पेक्टर शोयराम ने कहा कि हादसे के बाद आरोपित जानबूझकर पीड़ित को दूर के अस्पताल ले गए। चार्जशीट में कहा गया है कि घटना दोपहर 1.30 बजे हुई, जबकि आरोपित पीड़ित को 1.37 बजे लेकर गई और अस्पताल 2.15 बजे पहुंची। कोर्ट ने आरोपित गगनप्रीत मक्कड़ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 281, 125बी और 238ए के तहत दायर चार्जशीट पर संज्ञान लिया। धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के पास 14 सितंबर, 2025 को यह हादसा हुआ था, जिसमें वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी नवजोत सिंह (52) की मौत हो गई थी। इस हादसे में नवजोत सिंह की पत्नी संदीप कौर गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। गगनप्रीत पर आरोप है कि वो कार चला रही थीं। दिल्ली पुलिस ने 15 सितंबर, 2025 को गगनप्रीत मक्कड़ को गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस ने गगनप्रीत मक्कड़के खिलाफ गैर इरादतन हत्या, लापरवाही से गाड़ी चलाने और सबूत मिटाने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज की थी।

गल्फूड 2026 में भारत 161 प्रदर्शकों के साथ विविध एग्री-फूड इकोसिस्टम का करेगा प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारत गल्फूड 2026 में 161 प्रदर्शकों के माध्यम से अपने विविध कृषि-खाद्य इकोसिस्टम का प्रदर्शन करेगा, जो 26 जनवरी से दुबई में होने वाला है। भारत पहली बार गल्फूड 2026 में भागीदार देश बना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि मंत्रालय के तहत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) दुबई में 26 जनवरी से आयोजित होने वाले गल्फूड 2026 में अपनी सुदृढ़, विस्तारित और प्रभावशाली मौजूदगी दर्ज करा रहा है, जो वैश्विक कृषि-खाद्य व्यापार में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है। मंत्रालय के मुताबिक भारत गल्फूड 2026 में हिस्सेदार देश है, जो एक विश्वसनीय स्रोत गंतव्य और वैश्विक खाद्य सुरक्षा एवं सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक प्रमुख योगदानकर्ता के तौर पर इसके रणनीतिक महत्त्व को रेखांकित करता है। इस फूड शो में भारत की भागीदारी ग्लोबल एग्री-फूड ट्रेड में देश की बढ़ती स्थिति को और मजबूत करेगी। एपीडा का भारती पवेलियन आठ उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप को प्रदर्शित करेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक भारत पहली बार इस इवेंट में पार्टनर बन रहा है, जो एक भरोसेमंद सोर्सिंग डेस्टिनेशन और ग्लोबल फूड सिक्योरिटी और मजबूत सप्लाई चेन में अहम योगदान देने वाले देश के तौर पर भारत की रणनीतिक अहमियत को दिखाता है। असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल और पश्चिम बंगाल सहित 25 भारतीय राज्यों के एग्जिबिटर्स इस प्रोग्राम में हिस्सा लेंगे। भारत की भागीदारी का एक प्रमुख आकर्षण भारती पवेलियन है, जो निर्यात के लिए तैयार कृषि-खाद्य और कृषि-तकनीक स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एपीडा की प्रमुख पहल है। दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के स्टार्टअप जोन में स्थित भारती पवेलियन में आठ उच्च क्षमता वाले भारतीय स्टार्टअप प्रदर्शित किए गए हैं, जिनका चयन 100 से अधिक आवेदकों में से राष्ट्रीय स्तर की प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। ये स्टार्टअप एपीडा के विदेश वाले खेत जैसे विजन के अनुरूप नवाचारी उत्पाद, प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान और निर्यात-सक्षम प्रस्तुतियों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

द्वारका के गंगोत्री अपार्टमेंट में हुआ सरस्वती पूजा का आयोजन

पूजा पंडाल में दिखी 'विश्व शांति' और 'सेव अर्थ' की थीम

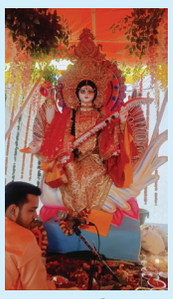

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका सेक्टर 12 के गंगोत्री अपार्टमेंट में वसंत पंचमी पर ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। गंगोत्री पूजा समिति की ओर से आयोजित 22वें सरस्वती पूजा में गंगोत्री परिवार के साथ साथ कई श्रद्धालु शामिल हुए। इन लोगों ने मां शारदे की पूजा में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जिनमें बच्चे,महिलाएं और बुजुर्गों शामिल हुए। वसंत पंचमी के मौके पर सभी लोग कलरफुल परिधान में दिखें। पूरी दुनिया भर में जहां युद्ध का वातावरण बना हुआ है तो दूसरी ओर क्लामेट चेंज का असर दिख रहा है। ऐसे में इस बार इस पूजा पंडाल की थीम 'विश्व शांति' और 'सेव अर्थ' रखी गई हैं जिनकी झलक देखने को मिलती है। इसके अलावा, यहां के निवासियों ने मां सरस्वती से प्रार्थना की कि सदबुद्धि दें और विश्व में शांति कायम रहे। गंगोत्री पूजा समिति के सभी सदस्यगण और आरडब्ल्यूए के सहयोग से मां सरस्वती के इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जलवायु-सहिष्णु कृषि-खाद्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए तैयार होगा डेटा आधारित रोडमैप

लोकतंत्र की शान :नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया (बीआईएसए) संयुक्त रूप से जलवायु-सहिष्णु कृषि-खाद्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए डेटा आधारित रोडमैप तैयार करेगी। इस संबंध में शुक्रवार को राष्ट्रीय जलवायु-सहिष्णु कृषि नवाचार (एऩआईसीआरए) की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें एटलस ऑफ क्लाइमेट अडैप्टेशन इन इंडियन एग्रीकल्चर के पोर्टल की भी शुरुआत की गई। शुक्रवार को कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट ने कहा कि एनआईसीआरए के 15 वर्ष पूरे हुए हैं। यह कार्यक्रम अब एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर है जहाँ स्पष्ट रणनीतिक दिशा और दीर्घकालिक दृष्टि की आवश्यकता है। बार-बार आने वाली जलवायु चुनौतियों के बावजूद, विशेषकर वर्षा-आश्रित क्षेत्रों में भारतीय कृषि ने उल्लेखनीय सहनशीलता और उत्पादकता वृद्धि दिखाई है, जो जलवायु-सहिष्णु तकनीकों, सहायक नीतियों और संस्थागत समन्वय की प्रभावशीलता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भारत की जलवायु सहनशीलता एक एकीकृत तंत्र पर आधारित है, जिसमें विज्ञान, नीतिगत समर्थन, तकनीकी नवाचार, सामाजिक सुरक्षा, मानव संसाधन और समन्वित कार्यान्वयन शामिल हैं। एनआईसीआरए, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पशुधन एवं मत्स्य मिशन जैसी पहलें मिलकर किसानों की अनुकूलन क्षमता और आजीविका को सुदृढ़ कर रही हैं। महानिदेशक ने दोहराया कि भारत का अनुभव विज्ञान आधारित और नीति-संरेखित समाधानों की एक मजबूत वैश्विक मिसाल प्रस्तुत करता है, जो जलवायु दबावों के बीच कृषि-खाद्य प्रणालियों की सुरक्षा में सहायक है। इस संदर्भ में एऩआईसीआरए को जलवायु-सहिष्णु कृषि के लिए एक संभावित वैश्विक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में आईसीएआर के उप महानिदेशक डॉ. ए. के. नायक, आईसीएआर के उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. राजबीर सिंह, एनआईसीआरए के अध्यक्ष डॉ. बी. वेंकटेश्वरलु सहित कई विशेषज्ञ शामिल थे।

कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में रिझाएगी राजस्थान की झांकी

» फुल ड्रेस रिहर्सल में दिखा बीकानेर की उस्ता कला का प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में इस वर्ष प्रदेश के बीकानेर की विश्वविख्यात उस्ता कला को केन्द्र में रखकर तैयार की गई राजस्थान की झांकी ने अपनी विशिष्ट शिल्पकला, सांस्कृतिक वैभव और जीवंत प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। झांकी के डिजाइनर एवं पर्यवेक्षक हर शिव कुमार शर्मा ने बताया कर्तव्य पथ पर शुक्रवार को राजस्थान मरुस्थल का स्वर्ण स्पर्श" विषयक राजस्थान की झांकी के अग्र भाग में राजस्थान के प्रसिद्ध लोक वाद्य रावणहट्टा का वादन करते कलाकार की 180 डिग्री घूमती प्रतिमा प्रदर्शित की गई है। इसके दोनों ओर उस्ता कला से सजी सुराही, कुप्पी और दीपक आकर्षक फ्रेमों में लगाए गए हैं। झांकी का यह भाग लगभग 13 फीट ऊँचा है। उन्होंने बताया कि ट्रेलर भाग में उस्ता कला से अलंकृत घूमती हुई पारंपरिक कुप्पी तथा हस्तशिल्प पर कार्य करते कारीगरों के दृश्य प्रदर्शित किए गए हैं, जो इस कला की जीवंत परंपरा को दर्शाते हैं। पृष्ठभाग में विशाल ऊँट और ऊँट सवार की प्रतिमा राजस्थान की मरुस्थलीय संस्कृति एवं लोक जीवन का सशक्त प्रतीक है। दोनों ओर उस्ता कला से सजे मेहराबों में पत्तेदार स्वर्ण कारीगरी के उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रदर्शित किए गए हैं। श्री शर्मा ने बताया कि झांकी के चारों ओर गेर लोक नृत्य प्रस्तुत करते कलाकारों ने राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया। कुल मिलाकर यह झांकी पारंपरिक कला, लोक संस्कृति और शाही विरासत का सजीव संगम बनकर सामने आई। राजस्थान ललित कला अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि इस झांकी का निर्माण राज्य की उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता तथा उप सचिव अनुराधा गोगिया के मार्गदर्शन में किया गया है।

मुख्यमंत्री ने नोवेनियो अस्पताल किया उद्घाटन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को बुद्ध विहार फेज-1 में नोवा नियो अस्पताल का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह अस्पताल दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के सहयोग से बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सांसद योगेंद्र चांदोलिया, विधायक कुलवंत राणा और पार्षद अमृत जैन उपस्थित रहे।

मुठभेड़ के बाद हिमांशु भाऊ गैंग के दो कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हिमांशु उर्फ भाऊ गैंग से जुड़े दो कुख्यात अपराधियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विक्की उर्फ मोगली और चंदर भान के रूप में हुई है। दोनों हत्या, हत्या के प्रयास और रंगदारी जैसे कई संगीन मामलों में शामिल रहे हैं। आरोपी विक्की उर्फ मोगली पर हरियाणा पुलिस ने 5,000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। क्राइम ब्रांचके पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरान ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि क्राइम ब्रांच को 22 जनवरी को पुख्ता गुप्त सूचना मिली थी कि हिमांशु भाऊ गैंग के सक्रिय सदस्य गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्टर अनिल मलिक के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। 22 और 23 जनवरी की दरम्यानी रात करीब 1 बजे, पुलिस टीम ने हिरनकुंडा से ढिचाऊ गांव रोड पर यूईआर-2 फ्लाईओवर के नीचे एक सफेद हुंडई आई-20 कार को रोका। खुद को घिरता देख दोनों बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। आरोपित विक्की उर्फ मोगली ने दो राउंड फायर किए, जिनमें से एक गोली हेड कांस्टेबल संदीप की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी, जिससे उनकी जान बाल-बाल बच गई। इधर पुलिस टीम ने संयम और सूझबूझ दिखाते हुए आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। एसआई अंशु कादियान द्वारा चलाई गई गोली आरोपित विक्की के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया और दोनों आरोपिधों को दबोच लिया गया। घायल आरोपित को तुरंत राव तुला राम अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे डीडीयू अस्पताल रेफर किया गया। पूछताछ में सामने आया कि विक्की उर्फ मोगली हिमांशु भाऊ गैंग के सरगना का करीबी और हथियार सप्लायर है। वह हरियाणा के रोहतक जिले में दर्ज कई हत्याओं के मामलों में वांछित है। इनमें 2024 में दोहरे हत्याकांड सहित कई सनसनीखेज मामले शामिल हैं। चंदर भान भी उसके साथ मिलकर वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने आरोपितों के पास से एक पिस्टल, एक देसी कट्टा, कुल 18 जिंदा कारतूस और एक कार बरामद की है।

विदेशी दूतावास की फर्जी नंबर प्लेट लगी इनोवा के साथ महिला गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने गणतंत्र दिवस से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से एक बेहद संवेदनशील कार्रवाई करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है, जो विदेशी दूतावास की फर्जी नंबर प्लेट लगी इनोवा कार से राजधानी के उच्च सुरक्षा वाले इलाकों और विभिन्न दूतावासों के आसपास लगातार आवाजाही कर रही थी। आरोपित महिला की गिरफ्तारी को पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम बताया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन एंड किडनैपिंग सेल यूनिट को 15 जनवरी को गुप्त सूचना मिली थी कि एक महिला विदेशी दूतावास की नंबर प्लेट लगी कार का इस्तेमाल कर नई दिल्ली स्थित विभिन्न दूतावासों और डिप्लोमैटिक एरिया में बेरोकटोक प्रवेश कर रही है। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर दलीप कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने वसंत विहार इलाके में निगरानी शुरू की। गुप्त सूचना को आगे विकसित करते हुए पता चला कि संदिग्ध महिला बी-ब्लॉक वसंत विहार की ओर गई है। वहां स्ट्रीट बी-5 में इनोवा कार खड़ी मिली। पुलिस ने जाल बिछाया और दोपहर 3:10 बजे एक लगभग 45 वर्षीय महिला को कार खोलते और ड्राइविंग सीट पर बैठते समय रोक लिया। जब पुलिस ने वाहन के कागजात मांगे तो महिला ने खुद को विदेशी दूतावास की प्रतिनिधि बताया, लेकिन किसी भी दूतावास का नाम या वाहन से संबंधित दस्तावेज पेश नहीं कर सकी। इसके बाद महिला को कार सहित क्राइम ब्रांच, सनलाइट कॉलोनी लाया गया। पूछताछ के दौरान महिला ने कबूल किया कि वह विदेशी दूतावास की फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल कर रही थी। उसने बताया कि उसने यह इनोवा कार नवंबर 2024 में एक विदेशी दूतावास से खरीदी थी, लेकिन वाहन को अपने नाम रजिस्टर नहीं कराया। इस संबंध में संबंधित दूतावास ने थाना चाणक्यपुरी में उसके खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई थी। पुलिस के अनुसार, महिला ने जानबूझकर दूतावास की असली नंबर प्लेट हटाकर रजिस्ट्रेशन नंबर जैसी दिखने वाली फर्जी नंबर प्लेट तैयार करवाई, ताकि पुलिस जांच से बच सके और दूतावासों व डिप्लोमैटिक इलाकों में आसानी से आ-जा सके। कार की तलाशी में दो और फर्जी नंबर प्लेट, मोबाइल फोन और वाहन से जुड़े बिक्री दस्तावेज बरामद किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि महिला खुद को एक विदेशी दूतावास की प्रतिनिधि बताकर सरकारी एजेंसियों को गुमराह कर रही थी। पुलिस को आशंका है कि उसके इरादे संदिग्ध हो सकते हैं और वह किसी राष्ट्र-विरोधी गतिविधि में भी शामिल हो सकती है, जिसे देखते हुए मामले की गहन जांच की जा रही है। इस संबंध में उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपित महिला असम की स्थायी निवासी है और वर्तमान में गुवाहाटी में रहती है। वह स्नातक है और खुद को पिछले चार वर्षों से एक राजनीतिक दल की अखिल भारतीय सचिव बताती है। उसने यह भी दावा किया है कि वर्ष 2023-24 में उसने एक विदेशी दूतावास में कंसल्टेंट के तौर पर काम किया और 1.5 लाख रुपये मासिक वेतन लिया। इसके अलावा, वह मेघालय स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में स्पोर्ट्स गाइड के रूप में कार्य कर चुकी है और वर्तमान में विदेशी, विशेषकर अफ्रीकी छात्रों को उसी विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए कंसल्टेंसी देने का काम कर रही है। महिला को अदालत में पेश कर 6 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है और कॉल डिटेल्स व अन्य डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गणतंत्र दिवस समारोह को देखते हुए यह गिरफ्तारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। मामले की आगे की जांच जारी है।

दावोस में महाराष्ट्र सरकार का 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश का दावा केवल झूठ और फरेबः कांग्रेस

लोकतंत्र की शान, जीशान अली

नई दिल्लीः कांग्रेस ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान महाराष्ट्र सरकार द्वारा किए गए 30 लाख करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश के दावों पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। पार्टी ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों में करीब 50 लाख करोड़ रुपये निवेश आने का दावा किया गया है, जो महाराष्ट्र की जीडीपी के बराबर है। पार्टी ने इन आंकड़ों को वास्तविकता से कोसों दूर बताते हुए कहा कि इतने अधिक निवेश का जमीनी स्तर पर कोई ठोस परिणाम दिखाई नहीं देता। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर फर्जी आंकड़ों के जरिए जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार बताए कि असल में कितनी कंपनियों ने महाराष्ट्र की धरती पर उत्पादन का काम शुरू किया है। उन्होंने विस्तार से बताया कि पिछले तीन सालों में 50 लाख करोड़ रुपये के अलावा 2018 में भी 'मैग्नेटिक महाराष्ट्र' सम्मेलन में 16 लाख करोड़ रुपये का निवेश आने का दावा किया गया था। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि अगर सचमुच इतना निवेश हुआ है तो महाराष्ट्र का 10 लाख करोड़ रुपये का ऋण खत्म हो जाना चाहिए, किसानों का कर्ज माफ हो जाना चाहिए और 'लाडकी बहिन' योजना में महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये की जगह 2,100 रुपये मिलने चाहिए, लेकिन हकीकत में ऐसा कुछ नहीं है। अतुल लोंढे पाटिल ने महाराष्ट्र सरकार से पूछा कि उसके द्वारा साइन किए गए एमओयू में से कितने प्रोजेक्ट वास्तव में जमीन पर उतरे हैं। कितनी कंपनियों ने उत्पादन शुरू किया, कितने रोजगार पैदा हुए और कितनी कंपनियां वास्तव में रजिस्टर्ड व लिस्टेड हैं। उन्होंने दावा किया कि 70 से 80 प्रतिशत कंपनियां न तो लिस्टेड हैं और न ही उनकी आर्थिक क्षमता इतनी है कि वे समझौता ज्ञापन के अनुसार निवेश कर सकें। उन्होंने यह सवाल भी किया कि एमआईडीसी, सिडको और एमएमआरडीए के पास कितनी जमीन उपलब्ध है और महाराष्ट्र सरकार ने उद्योग लगाने के लिए कितनी कंपनियों को जमीन दी है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस देश के गौरव : चंदेल

» विश्व में भारत के सैनिक सबसे मजबूत व शक्तिशाली

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली / हिंदूवादी भाजपा वरिष्ठ नेता महंत गुरुजी राजू चंदेल ने आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन के मौके पर उन्हें याद करते हुए कहा कि उनका जन्म और पारिवारिक जीवन नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी सन् 1897 को ओड़िशा के कटक शहर में हिन्दू बंगाली कायस्थ परिवार में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजों से लोहा लेने के लिए और देश को आजाद करने के लिए लड़ाई लड़ी और देश के युवाओं को एक करने के लिए देश भर में भ्रमण किया और आजाद हिंद फौज की स्थापना की अंग्रेजी अंग्रेजी हुकूमत के दांतों को खट्टा और उनसे लोहा लेने वाले देश के सबसे बड़े नायक के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस में बहुत बड़ी एक सी खड़ी करी और उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की जड़े दिला दी नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज को द्वितीय महा विश्व युद्ध में भी हिस्सा लिया और उन्होंने भारत का गौरव बढ़ाया उनके जैसा योद्धा ना तो हुआ है और ना ही होगा आज पूरा देश उनके जन्मदिन पर उनको मत मस्तक होकर प्रणाम करता है गुरुजी राजू चंदेल ने कहा कि हमारे देश के जितने भी महान शहीद देश के सैनिक है वह देश की गौरव है और देश की शान है और देश के शहीदों सैनिकों की बदौलत आज देश सुरक्षित है उनके गौरवशाली इतिहास और कारनामों से देश शक्तिशाली बना है आज देश की सेनाओ को तीसरे नंबर पर पूरे विश्व भर में देखा हुआ जाना जाता है आज हमारे देश की सेना से कोई जल्दी से टक्कर नहीं ले सकता आज हमारा देश महा शक्तिशाली और सबसे ज्यादा ताकतवर है जिसकी आन बान शान हमारी सेनाओ के सैनिक ही हैं हमें अपने देश की सेनाओ पर गर्व है हमारे देश के सैनिक विश्व में सबसे मजबूत और शक्तिशाली ताकतवर हैं

गणतंत्र दिवस परेड में विद्युत मंत्रालय 'प्रकाश गंगा' झांकी का करेगा प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। विद्युत मंत्रालय 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में अपनी शानदार झांकी "प्रकाश गंगा का प्रदर्शन करेगा। यह झांकी आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए विद्युत क्षेत्र में भारत की बदलावकारी यात्रा और स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा को लोगों के सामने रखेगी। विद्युत मंत्रालय के मुताबिक यह झांकी बिजली की सार्वभौमिक पहुंच हासिल करने से लेकर वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा नेता के रूप में उभरने तक भारत के विकास को उजागर करती है। प्रकाश गंगा का अर्थ है "प्रकाश की नदी", जो राष्ट्रीय ग्रिड में एक दूसरे से जुड़े बिजली के सहज और निरंतर प्रवाह का प्रतीक है। मंत्रालय के मुताबिक झांकी की खासियत एक रोबोटिक स्मार्ट मीटर मॉडल है, जिसके साथ विंड टर्बाइन जनरेटर भी हैं, जो कुशल ऊर्जा प्रबंधन के लिए डिजिटल तकनीक, ऑटोमेशन और स्मार्ट सॉल्यूशंस के एकीकरण को दिखाता है। झांकी के बीच का हिस्सा रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन के साथ "स्मार्ट पावर, स्मार्टर होम" विचारधारा को दिखाता है, जो नागरिकों को बिजली के 'प्रोज्यूमर्स' यानी बिजली बनाने वाले और इस्तेमाल करने वाले दोनों के रूप में सशक्त बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को उजागर करता है। एक ऊंची ट्रांसमिशन संरचना अंतिम मील तक के संपर्क को दिखाती है, जबकि एक ईवी चार्जिंग स्टेशन और इलेक्ट्रिक स्कूटर स्वच्छ गतिशीलता और एक सतत् परिवहन व्यवस्था को सक्षम करने में ऊर्जा क्षेत्र की भूमिका को दर्शाते हैं। झांकी का पीछे का हिस्सा हाइड्रोइलेक्ट्रिक, पवन और जियोथर्मल पावर इंस्टॉलेशन के ज़रिए भारत की अक्षय ऊर्जा की ताकत को दिखाता है, जो देश के बढ़ते स्वच्छ ऊर्जा के फुटप्रिंट का प्रतीक है। "स्विचिंग ऑन इंडिया" के साथ बनी संरचना, उन्नत नियंत्रण और निगरानी केंद्रों को दर्शाता है, जो ग्रिड की स्थिरता और बिना रुकावट बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। मुड़े हुए बिजली के तारों जैसे दिखने वाली संरचना पर बनी यह झांकी, भारत के राष्ट्रीय पावर ग्रिड के पैमाने और मज़बूती को दिखाती है, जो लाखों घरों और उद्योगों को जोड़ता है। इस गणतंत्र दिवस पर इस खास पेशकश के ज़रिए, विद्युत मंत्रालय भरोसेमंद, सस्ती और टिकाऊ बिजली देने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, ऊर्जा सुरक्षा को मज़बूत करने और विकसित भारत के दृष्टिकोण को ऊर्जा देने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराएगा।

मदुरै के तिरुप्परनकुंद्रम मंदिर मामले में केंद्र, तमिलनाडु सरकार व एएसआई को नोटिस

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मदुरै के थिरुप्परनकुंद्रम की पहाड़ी पर भगवान अरुलमिगु सुब्रमण्यम स्वामी के मंदिर और पुराने दीपाथून पिलर पर रोजाना कार्तिगई दीपम (पवित्र दीया) जलाने को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा अपने हाथ में लेने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र, तमिलनाडु सरकार और एएसआई को नोटिस जारी किया है। जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। सुनवाई के दौरान शुक्रवार को कोर्ट को बताया गया कि मद्रास हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने 6 जनवरी को दीप जलाने के सिंगल बेंच के आदेश पर मुहर लगा दी थी। याचिका हिन्दू धर्म परिषद ने दायर की है। याचिका में मांग की गई है कि हर साल कार्तिगई में मंदिर में दीया जलाने और सबसे ऊपर एक दीया यानि दीपाथून जलाने की अनुमति दी जाए। इसके पहले मदुरै प्रशासन ने उच्च न्यायालय के डिवीजन बेंच के आदेश को चुनौती दी थी। डिवीजन बेंच ने मदुरै प्रशासन की सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दिया था। डिवीजन बेंच की ओर से याचिका खारिज होने के बाद सिंगल बेंच ने 4 दिसंबर 2025 की शाम को दीया जलाने का निर्देश दिया था। मदुरै प्रशासन ने दीया जलाने की इजाजत नहीं दी और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

संक्षिप्त समाचार

रामसरन सुशीला आनंद हाई स्कूल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः शुक्रवार को नगर के प्रगतिशील विद्यालय रामसरन एवं सुशीला आनंद हाई स्कूल में वीर क्रांतिकारी, आजाद हिंद फौज के संस्थापक, युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर विद्यालय में छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ के द्वारा नेताजी के चित्र के सम्मुख पुष्पअर्पित कर नमन किया गया, इस अवसर पर छात्र-छात्रा को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रबंधक सुशील चंद्र सक्सेना ने बताया कि नेताजी भारत माता के वीर सपूतों में से एक थे उन्होंने अपना सारा जीवन भारत माता की सेवा में लगा दिया था, इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष पंडित रविशंकर शर्मा एडवोकेट ने बताया कि नेताजी ने "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा" का नारा देकर स्वतंत्रता संग्राम में एक नया जोश भर दिया था, और आजादी मिली, इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य निशांत त्यागी, सोमवती कश्यप, अंशु त्यागी, अनुराधा चौधरी, भावना सक्सेना, मंजरी दीक्षित, सीमा वर्मा, अफसा, लक्ष्मी रस्तोगी, सदफ, स्वाती, नीलम सक्सेना, अतुल मथुर, रवि वर्मा प्रवेंद्र सिंह, हूरूननिसा,कोमल रानी, रोनी आदि उपस्थित रहे ।

40 विद्युत पोल से चोरों ने चुराए बिजली के तार, ग्रामीणों ने किया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः गुरुवार की देर रात कोतवाली क्षेत्र के गांव फूलपुर बिझलपुर में अज्ञात चोरों ने 40 विद्युत पोलों से बिजली सप्लाई के तार काटकर चोरी कर लिए चोरी हुए तारों की कीमत लगभग 4 लाख रुपए बताई जा रही है, विद्युत तार चोरी होने से लगभग 50 नलकूपों की विद्युत सप्लाई पूरी तरह से ठप हो गई, चोरी का पता किसानों को तब चला जब वह हमेशा की तरह अपने खेतों पर सुबह को पहुंचे तो वहां का नजारा देखकर चकित हो गए उन्होंने देखा कि पोल से तार गायब थे और जमीन पर कटे हुए टुकड़े पड़े थे, तार चोरी का सीधा असर खेती पर पड़ रहा है, चोरी की घटना से आक्रोशित दर्जनो ग्रामीणों ने खेतों में ही एकत्र होकर जोरदार प्रदर्शन किया, ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं लेकिन पुलिस इन पर अंकुश लगाने में नाकाम है, मामले की जानकारी बिजली विभाग के अवर अभियंता अजय कुमार को दे दी गई है, अवर अभियंता अजय कुमार ने बताया कि अज्ञात चोरों द्वारा करीब चार लाख रुपए के तार चोरी कर लिए गए हैं इस संबंध में पुलिस को सूचना दे दी गई है, वही प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने चेतावनी दि है कि यदि जल्दी चोरों की गिरफ्तारी और तारों की बहाली नहीं हुई तो वह उग्र आंदोलन करने को विवश होंगे, प्रदर्शन करने वालों में राजपाल, महिपाल, प्रीतम, राकेश,गिरीश, मनवीर दुलीचंद, नरेश, देवराज, टीकाराम, इकबाल, नौ सिंह, संजय, विजयपाल, होरीलाल, रूपचंद और मनोज खड़क बंशी आदि ग्रामीण मौजूद रहे ।

यूपी दिवस-2026 पर प्रदेश की 5 विभूतियों को मिलेगा गौरव सम्मान अंतरिक्षयात्री शुभांशु शुक्ला होंगे सम्मानित

लोक तंत्र की शान : लखनऊ। उत्तर प्रदेश दिवस-2026 के मुख्य समारोह का आयोजन इस वर्ष राजधानी लखनऊ के नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस भव्य समारोह का उद्घाटन शनिवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाली पांच विशिष्ट विभूतियों को 'उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2025-26' से सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष जिन विभूतियों को गौरव सम्मान प्रदान किया जाएगा, उनमें अंतरिक्ष विज्ञान, शिक्षा, साहित्य, महिला सशक्तिकरण और कृषि जैसे विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्व शामिल हैं।

अंतरिक्ष विज्ञान में ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए शुभांशु शुक्ला सम्मानित-गौरव सम्मान 2025-26 से सम्मानित होने वाली विभूतियों में राजधानी लखनऊ निवासी अंतरिक्षयात्री एवं भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला शामिल हैं। शुभांशु शुक्ला ने 26 जून 2025 को नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान द्वारा प्रक्षेपण के बाद अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचकर इतिहास रचा। वे आईएसएस पर कदम रखने वाले पहले भारतीय अंतरिक्षयात्री बने। हालांकि, अंतरिक्ष में जाने वाले भारतीयों में वे राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय हैं। उनकी यह उपलब्धि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली है।

शिक्षा में क्रांति लाने वाले अलख पांडेय को गौरव सम्मान-शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले प्रयागराज निवासी अलख पांडेय को यूपी गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। अलख पांडेय ने वर्ष 2016 में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए 'फिजिक्स वाला' यूट्यूब चैनल की शुरुआत की। वर्ष 2020 में लॉन्च किए गए इसी नाम के ऐप ने किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर करोड़ों छात्रों को लाभान्वित किया। वर्ष 2022 में उनकी कंपनी भारत की छठी एडटेक यूनिकॉर्न बनी। 10 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर वाले इस प्लेटफॉर्म ने शिक्षा को अधिक समावेशी और लोकतांत्रिक बनाया है। उन्हें शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार, टाइम्स 40 अंडर 40 और एडटेक सीईओ ऑफ द ईयर जैसे कई सम्मान प्राप्त हो चुके हैं।

ट्रेन का टिकट बुक करते समय युवक साइबर ठगी का शिकार, 98 हजार रुपए पार

लोक तंत्र की शान : बांदा। उत्तर प्रदेश में जनपद बांदा के अतर्रा क्षेत्र में ऑनलाइन साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है। जहां ट्रेन टिकट बुकिंग के दौरान एक युवक के बैंक खाते से 98 हजार रुपये की अवैध निकासी कर ली गई। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंकित गुप्ता पुत्र राजकुमार गुप्ता, निवासी लखन कॉलोनी अतर्रा का स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) अतर्रा शाखा में बचत खाता है। अंकित गुप्ता ने बताया कि 21 जनवरी 2026 को वह मानिकपुर से कोलकाता के लिए ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुक कर रहे थे। टिकट बुकिंग के दौरान खाते से पैसा तो कट गया, लेकिन न तो कोई टिकट मिला और न ही पीएनआर नंबर प्राप्त हुआ। रिफंड की जानकारी के लिए पीड़ित ने गूगल पर सर्च किया, जहां उसे कुछ मोबाइल नंबर मिले। इनमें से एक नंबर पर कॉल करने के बाद उसे एक अन्य नंबर से संपर्क किया गया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजकर रिफंड प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर उस पर क्लिक करने और आवश्यक परमिशन देने को कहा।

क़ौसर अब्बास के नेतृत्व में बदलेगी सिरसी की तस्वीर

गणतंत्र दिवस से पहले सफाई-पानी-बिजली पर फुल फोकस

लोकतंत्र की शान

संभल/सिरसी। नगर की व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने और गणतंत्र दिवस को गरिमा के साथ मनाने के उद्देश्य से नगर पंचायत सिरसी के चेयरमैन क़ौसर अब्बास ने नगर पंचायत के समस्त कर्मचारियों व अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में अधिशासी अधिकारी की मौजूदगी में भी कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। चेयरमैन क़ौसर अब्बास ने कहा कि गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर नगर की व्यवस्थाएँ हर हाल में दुरुस्त रहनी चाहिए, ताकि आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि नगर के सभी वार्डों में सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाए, जलापूर्ति नियमित और निर्बाध रूप से जारी रहे, स्ट्रीट लाइटें पूरी तरह सुचारु अवस्था में रहें तथा अन्य सभी मूलभूत सुविधाएँ हर समय कार्यरत रहें। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी ने भी कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। चेयरमैन क़ौसर अब्बास ने चेतावनी देते हुए कहा कि ड्यूटी में कोताही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई की जाएगी। सभी कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रहकर अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभानी होगी। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत सिरसी नागरिकों को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित नगर देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगर की स्वच्छता और व्यवस्थाओं का बेहतर होना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

त्रिवेणी के तट पर लगे माघ मेले का बसंत पंचमी स्नान पर्व सकुशल संपन्न

पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी , माघ मेला में बसंत पंचमी पर संगम में स्नान करते हुए

लोकतंत्र की शान

प्रयागराज। प्रयागराज में माघ मेले के दौरान बसंत पंचमी स्नान पर्व का आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। बसंत पंचमी स्नान पर्व में 3.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। सरकार एवं प्रशासन की अभूतपूर्व व्यवस्था से माघ मेले में श्रद्धालुओं का नया रिकॉर्ड बना। ज्ञान की देवी मां सरस्वती की आराधना के महापर्व बसंत पंचमी पर त्रिवेणी में पुण्य स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। माघ मेला अधिकारी ऋषिराज का कहना है कि बसंत पंचमी में पुण्य स्नान के इस आंकड़े ने महाकुंभ 2025 की श्रद्धालुओं की संख्या को भी पीछे छोड़ दिया है। उनका यह भी कहना है कि माघ मेला 2026 में अब तक 15 करोड़ से अधिक श्रद्धालु त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगा चुके हैं। संगम के घाटों पर उमड़ी आस्था की इस लहर से सरकार एवं प्रशासन की अभूतपूर्व व्यवस्था का पता चलता है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस आज भी देशविरोधी तत्वों के सामने न झुकने की प्रेरणा प्रदान करते हैं- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। "नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भारत की आजादी का एक ऐसा नाम है, जो प्रत्येक भारतीय के मन में सर्वोच्च सम्मान के साथ-साथ किसी भी विपरीत परिस्थिति में देशद्रोही व देशविरोधी तत्वों के सामने न झुकने के दृढ़ संकल्प की प्रेरणा प्रदान करता है। भारत माता के सच्चे सपूत नेताजी का नाम लेते ही हर भारतीय के मन में श्रद्धा व सम्मान के साथ राष्ट्रप्रेम की भावना स्वतः उत्पन्न हो जाती है।" मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये उद्गार नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पावन जयंती के अवसर पर नेताजी सुभाष चौक, हजरतगंज, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। मुख्यमंत्री ने नेताजी को स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक की संज्ञा देते हुए आजादी की लड़ाई में उनके अमूल्य योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त की और उनके चित्र पर प्रदेशवासियों की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी का "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा" का आह्वान भारत की आजादी का मंत्र बन गया था। उनका एक-एक शब्द स्वतंत्रता आंदोलन का मंत्र बन जाता था। उनका "दिल्ली चलो" का उद्घोष हर भारतीय को प्रेरित करता है। उनका "कदम कदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गाए जा..." गीत आज भी भारतीय सेना के दीक्षांत समारोह में बड़ी शान से गाया जाता है। ऐसा कौन भारतीय होगा, जिसके मन में नेताजी के प्रति श्रद्धा-सम्मान का भाव न हो। नेताजी ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में चल रहे स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा प्रदान की थी। उन्होंने क्रांतिकारियों के सिरमौर के रूप में आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया। भारत के अंदर रहकर या भारत के बाहर, उन्होंने आजादी के लिए जो योगदान दिया, वह अविस्मरणीय है। जिस प्रकार उन्होंने जर्मनी, जापान तथा दुनिया के तमाम देशों में जाकर देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, हम सबके लिए प्रेरणा की गाथा है।

यूपी में कौशल क्रांति को मिलेगी नई रफ्तार

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में जनपद गौतम बुद्ध नगर स्थित नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर (एनएईसी) और राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह एमओयू प्रदेश में कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमशीलता को नई दिशा देने वाला साबित होगा। इस एमओयू के तहत एनएईसी द्वारा पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 18 जनपदों के 128 विकास खंडों और 10,323 ग्रामों से जुड़े एक लाख अभ्यर्थियों को आगामी पांच वर्षों में 28 सेक्टरों में अल्पकालीन कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनमें से 70,000 अभ्यर्थियों को औद्योगिक इकाइयों में प्रशिक्षण के बाद रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। खास बात यह है कि कुल प्रशिक्षणार्थियों में 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बल मिलेगा।

एनएईसी बनेगा स्किल ट्रेनिंग का केंद्र-देश के प्रमुख अपैरल निर्यात क्लस्टर के रूप में एनएईसी की सबसे बड़ी विशेषता गारमेंट उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराना होगा। प्रशिक्षण से लेकर प्लेसमेंट तक की पूरी प्रक्रिया एनएईसी द्वारा अपने डिजिटल पोर्टल "कौशल गंगा" के माध्यम से प्रबंधित की जाएगी। इसके साथ ही "कौशल आजीविका" और "कौशल बाजार" पोर्टल भी प्रशिक्षणार्थियों को आजीविका और बाजार से जोड़ने में सहायक होंगे।

एससीवीटी करेगा मूल्यांकन और प्रमाणन- इस सहभागिता में राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद की अहम भूमिका होगी। एससीवीटी, जो भारत सरकार की राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद की मान्यता प्राप्त अवार्डिंग बॉडी है, सभी प्रशिक्षणार्थियों के मूल्यांकन और प्रमाणन का कार्य करेगी। एनएईसी द्वारा एससीवीटी को प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए प्रमाणन शुल्क के रूप में 1200 दिए जाएंगे। एससीवीटी अपने स्तर से भी पाठ्यक्रम तैयार कर उन्हें राष्ट्रीय परिषद से अनुमोदित कराएगी।

मॉक ड्रिल प्रदेश को हर तरह की परिस्थितियों के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदमः सीएम योगी

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : देशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से आज भारत माता के महान सपूत और स्वाधीनता आंदोलन के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पावन जयंती 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाई जा रही है। इसी अवसर पर नेताजी के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए उत्तर प्रदेश नागरिक सुरक्षा संगठन की ओर से मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह शानदार मॉक ड्रिल प्रदेश को हर तरह की परिस्थितियों के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती पर आपातकालीन स्थिति में बचाव एवं जागरूकता के लिए आयोजित ब्लैकआउट मॉक ड्रिल के दौरान कही। हर स्थिति में 'फर्स्ट रिस्पांडर' के रूप में नागरिक सुरक्षा संगठन की भूमिका को समाज ने स्वीकार किया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'नेशन फर्स्ट' का भाव नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आज़ादी के आंदोलन के दौरान देश को दिया था। उसी भावना के अनुरूप उन्होंने भारत की स्वाधीनता के लिए आज़ाद हिंद फौज का गठन किया। भारत की नारी शक्ति की सामर्थ्य को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के लिए उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई ब्रिगेड का गठन कर देश को उस समय ही महिला शक्ति की ताकत से अवगत कराया था। भारत के अंदर हो या विदेश में, जहां-जहां नेताजी रहे, उन्होंने भारत की आज़ादी के लिए जो योगदान दिया, हर भारतवासी उसके प्रति कृतज्ञ है और एक राष्ट्रनायक के रूप में उन्हें सम्मान देता है। सीएम ने कहा कि आज का यह मॉक ड्रिल हम सभी को सम और विषम परिस्थितियों के प्रति हमेशा तैयार रहने की प्रेरणा देता है। युद्धकाल हो या शांति काल, आपदा हो या आकस्मिक दुर्घटना हर स्थिति में 'फर्स्ट रिस्पांडर' के रूप में नागरिक सुरक्षा संगठन की भूमिका को समाज ने निर्विवाद रूप से स्वीकार किया है। इसी महत्व को देखते हुए उत्तर प्रदेश में सभी 75 जनपदों में नागरिक सुरक्षा संगठन का गठन किया गया।

बसंत पंचमी पर हवन में आहुति देकर मां सरस्वती को किया नमन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर नगर के प्रगतिशील विद्यालय रामसरन सुशीका आनंद हाई स्कूल में विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा हवन यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें मां सरस्वती की विधि विधान के अनुसार पूजा के उपरांत हवन में आहुति देकर शुद्ध शुद्ध बुद्धि हेतु मां सरस्वती को नमन किया, इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष पंडित रविशंकर शर्मा एडवोकेट ने कहा कि मां सरस्वती बुद्धि, ऐश्वर्य प्रदान करने वाली एवं ज्ञान की देवी है उन्होंने बताया कि बसंत पंचमी से बसंत ऋतु प्रारंभ हो जाती है और पेड़ पौधों पर हरियाली फूटने लगती है, इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक सुशील चंद्र सक्सेना, राहुल शर्मा, निशांत त्यागी, सोमवती कश्यप, अंशु त्यागी, अनुराधा चौधरी, भावना सक्सेना, मंजरी दीक्षित, सीमा वर्मा, अफसा, लक्ष्मी रस्तोगी, सदफ, स्वाती, नीलम सक्सेना अतुल मथुर, रवि वर्मा, प्रवेंद्र सिंह, हुरुननिशा, कोमल रानी, रोनी आदि उपस्थित रहे ।

श्री राम मंदिर का 36 वां स्थापना दिवस मनाया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

गजरौला। वसंत पंचमी के पर्व पर श्री राम मंदिर का 36 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। हवन-यज्ञ में आहुतियां देकर विश्व शांति एवं खुशहाली की कामना की गई। आप को बता दें कि भरतिया समूह द्वारा वसंत पंचमी के दिन ही 36 वर्ष पूर्व 1989 में हाईवे किनारे इस मंदिर की स्थापना कराई गई थी। इसी के चलते शुक्रवार को नगर में हाईवे किनारे मोहल्ला नाईपुरा में स्थित श्री राम मंदिर में वसंत पंचमी एवं मंदिर की स्थापना दिवस पर विशेष पूजा की गई। जुबिलेंट इनग्रेविया लिमिटेड के यूनिट हेड विनोद झा ने अपनी पत्नी रंजना झा एवं कंपनी के अधिकारियों के संग पूजा अर्चना की। मंदिर के पुजारी पंडित मोहन मिश्रा एवं गोविंद पांडे ने पूजा संपन्न कराई। प्रभु श्री राम, सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान की प्रतिमाओं को शॉल ओढ़ाए गए। दुग्धाभिषेक भी किया गया। इसके उपरांत भंडारा हुआ। इस मौके पर जुबिलेंट एग्री एंड कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड के यूनिट हेड देवेंद्र कुमार बंसल, जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, सोनाली फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष एवं जिला उपभोक्ता फोरम में जज अंजु दीक्षित, सुशीला बंसल, अशोक राय, सुनील ए सिंह, आरए शर्मा,पुनीत तिवारी, रेनू तिवारी, कपिल जोशी, संतोष वर्मा, अनुराधा, सुनील तिवारी, एनके तोमर, दिलीप पांडे, सुरक्षा प्रमुख वीरेंद्र सिंह नेगी, सुनील सक्सेना आदि मौजूद रहे।

सुभाष चंद्र बोस जयंती एवं बसंत पंचमी पर विद्यालय में हुए कार्यक्रम

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को नगर के विद्यालय पुरुषोत्तम शरण राममूर्ति सरस्वती कन्या इंटर कॉलेज में बसंत पंचमी का त्यौहार व सुभाष चंद्र बोस जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई, इस अवसर पर मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित कर सरस्वती वंदना कर मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अंकिता शर्मा ने बताया कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती प्रतिवर्ष 23 जनवरी को मनाई जाती है, जो नेताजी के जन्मदिन का प्रतीक है।इस दिन को नेताजी की वीरता और नेतृत्व को मान्यता देने के लिए आधिकारिक तौर पर पराक्रम दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। व उन्होंने बताया कि माघ मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है बसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा की जाती है, इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित किए एवं सुभाष चंद्र बोस जी की प्रतिमा के सम्मुख भी पुष्पर्पित कर नमन किया, वही छात्र छात्राओं को बसन्त पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए मन लगाकर पढ़ने और अपने ज्ञान को निरन्तर बढ़ाने के लिए जागरूक किया, इस अवसर पर अंकुर अग्रवाल ने भी सभी को बसन्त पंचमी की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अंकिता शर्मा, सुषमा रस्तौगी, नेहा रस्तौगी, नीतू, आंचल अल्बर्ट,अशोक कुमार,सोमदत्त चौहान,दीपांशु चौहान,निशा प्रियांशी सारस्वत,अंजली चौहान आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कटिहार नगर निगम के महापौर ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

लोकतंत्र की शान : सुमन सिंह कटिहारः कटिहारः नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार को वार्ड नंबर 17 में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण महापौर श्रीमती उषा देवी अग्रवाल के द्वारा किया गया। निरीक्षण के क्रम में वार्ड में चल रहे योजनाओं का निरीक्षण किया गया एवं संबंधित पदाधिकारी और कर्मचारियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभों का स्थल निरीक्षण करने के पश्चात लाभार्थी को जल्द से जल्द मकान बनाने के लिए अनुरोध किया गया।महापौर ने मौके पर ही महिलाओं के साथ एक बैठक की उनकी सारी समस्या गंभीरता पूर्वक सुनी। महापौर के साथ वार्ड नंबर 17 के निगम पार्षद बेबी देवी एवं नगर निगम के पदाधिकारी व कर्मचारी एवं वार्ड के गणमान्य लोग मौजूद थे।

नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 44 के विकास कार्यों का निरीक्षण करते महापौर

लोकतंत्र की शान : सुमन सिंह कटिहारः कटिहारः नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 44 में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण महापौर श्रीमती उषा देवी अग्रवाल के द्वारा किया गया। उक्त निरीक्षण के क्रम में वार्ड में चल रहे योजनाओं का निरीक्षण किया गया एवं संबंधित पदाधिकारी और कर्मचारियों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभों का स्थल निरीक्षण करते हुए लाभार्थी को जल्द से जल्द मकान बनाने के लिए अनुरोध किया गया। मौके पर महिलाओं के साथ एक बैठक की गई ओर उनकी समस्याओं को सुना।निरीक्षण में महापौर के साथ वार्ड संख्या 44 के निगम पार्षद श्रीमती आरती देवी एवं नगर निगम के पदाधिकारी के अलावे वार्ड के कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

बिहार में ठंड से राहत, न्यूनतम तापमान 8 डिग्री पहुंचा

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार में मौसम फिलहाल साफ है। दिन में तेज धूप निकलने से ठंड से राहत मिली है। हालांकि, रात के तापमान में अभी गिरावट देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने आज यानी शुक्रवार को किसी भी जिले में कोहरे को लेकर अलर्ट जारी नहीं किया है। हालांकि, मौसम विभाग के मुताबिक, तेज वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के चलते 23 और 24 जनवरी को हिमालयी क्षेत्र में कुछ जगहों पर बर्फबारी की संभावना है। जिससे प्रदेश के कुछ जिलों में ठंड बढ़ सकती है। अगले 48 घंटे में बारिश के भी आसार हैं। 24 घंटे में 8 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ किशनगंज सबसे ठंडा रहा है। वहीं, वैशाली का तापमान 9.8 डिग्री दर्ज किया गया। लखनऊ रेल मंडल में चल रहे नॉन-इंटरलॉकिंग (NI) कार्य के कारण रेलवे ने आज और 24 जनवरी बिहार से चलने वाली कई ट्रेनों का रूट बदला गया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, उत्तर भारत में इस समय कोई मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं है। पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर रहने की वजह से बिहार में न तो बारिश हो रही है और न ही ठंड बढ़ रही। उत्तर-पश्चिमी हवाएं सामान्य गति से चल रही हैं, जिससे रात के तापमान में हल्की गिरावट तो हो रही है, लेकिन दिन में धूप के कारण ठंड का असर कम हो जा रहा है। इसी कारण सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस की जा रही है, जबकि दिन का मौसम सामान्य बना हुआ है।

डिस्कस-जैवलिन थ्रो, शॉटपुट-हाई जंप में करें प्रतिभाग

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। सोनपुर मंडल क्रीड़ा संघ द्वारा इंटर डिपार्टमेंटल एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन किया जा रहा है। यह स्पर्धा 22 से 25 जनवरी तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से रेलवे स्टेडियम, सोनपुर में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में पूर्व मध्य रेलवे, सोनपुर मंडल के विभिन्न विभागों के पुरुष एवं महिला रेलवे कर्मचारी हिस्सा लेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों में खेल भावना को प्रोत्साहित करना, उनकी प्रतिभाओं को सामने लाना, तथा उनके सर्वांगीण विकास के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली और टीम भावना को बढ़ावा देना है। पुरुष एवं महिला वर्ग के लिए विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाएं निर्धारित की गई हैं। इनमें 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर और 800 मीटर दौड़ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, शॉटपुट, हाई जंप और लॉन्ग जंप भी आयोजित की जाएंगी। 4×100 मीटर और 4×400 मीटर की रिले रेस भी प्रतियोगिता का हिस्सा होंगी। स्पर्धाओं का आयोजन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अलग-अलग दिनों में किया जाएगा, जिससे सभी प्रतिभागियों को निष्पक्ष अवसर मिल सके। प्रतियोगिता के पहले दिन कुछ ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं के साथ मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इच्छुक कर्मचारी रेलवे स्टेडियम, सोनपुर पहुंचकर समय से पहले अपना पंजीकरण करा सकते हैं। मंडल क्रीड़ा संघ, सोनपुर का मानना है कि यह आयोजन रेलवे कर्मचारियों में खेलों के प्रति उत्साह और ऊर्जा का संचार करेगा। सोनपुर मंडल खेलों के माध्यम से अपने कर्मचारियों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए निरंतर प्रयास करता रहा है। यह प्रतियोगिता न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेगी, बल्कि आपसी सौहार्द, टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी मजबूत करेगी।

वैशाली में 21 दिन बाद खुला स्कूल का ताला

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के गोरौल प्रखंड स्थित भटौलिया गांव में 21 दिन बाद उत्क्रमित मध्य विद्यालय का ताला खुल गया है। ग्रामीणों के लंबे आंदोलन के बाद शनिवार सुबह ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ स्कूल को दोबारा खोला गया। इस दौरान पूरा गांव और छात्र उत्साहित नजर आए। यह मामला उत्क्रमित मध्य विद्यालय भटौलिया से जुड़ा है, जिसकी जमीन गांव के ओमप्रकाश साह के पिता ने दान की थी। हालांकि, वर्षों तक जिला प्रशासन इस जमीन की रजिस्ट्री नहीं करवा सका। रजिस्ट्री न होने के कारण विद्यालय को न तो भवन निर्माण के लिए फंड मिल पा रहा था और न ही किसी सरकारी योजना का लाभ। वर्ष 2018 से ही जमीन मालिक और ग्रामीण लगातार प्रशासनिक दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे। वे अधिकारियों से जमीन की रजिस्ट्री करवाने का आग्रह करते रहे, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। प्रशासन की उदासीनता से नाराज ग्रामीणों ने अंततः स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया। 21 दिनों तक स्कूल बंद रहा, जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हुई। इस दौरान कुछ बच्चों को दूसरे स्कूलों में समायोजित किया गया था। अब 21 दिन बाद स्कूल का ताला खुलने से बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है और वे फिर से अपनी पढ़ाई के लिए स्कूल पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि अब स्कूल के लिए एक अच्छा भवन भी बन पाएगा।

एसआईआर के खिलाफ सड़कों पर उतरेगी माले

लोकतंत की शान , पटना

- 25 जनवरी को मनाएगी 'संविधान संकल्प मताधिकार रक्षा दिवस', देशभर में करेगी विरोध प्रदर्शन

देशभर में चल रहे SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) अभियान के तहत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने को लेकर सियासत गरमाई हुई है। विपक्ष लगातार एसएसआर पर हमलावर है। भाकपा-माले ने इसे लोकतंत्र और संविधान पर सीधा हमला बताया है। माले ने 25 जनवरी 2026 को देशभर में 'संविधान संकल्प – मताधिकार रक्षा दिवस' मनाने का ऐलान किया है।

SIR के नाम पर लोकतंत्र पर हमला- मालेः माले के राज्य सचिव कुणाल ने कहा कि, 'SIR के नाम पर करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से मनमाने तरीके से काटे जा रहे हैं। यह पूरा अभियान केंद्र और राज्य सरकारों के संरक्षण में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य गरीबों, वंचितों, अल्पसंख्यकों और प्रवासी मजदूरों को उनके मताधिकार से वंचित करना है।' ऐसे समय में जब लोकतंत्र पर हमला हो रहा है, चुनाव आयोग का 25 जनवरी को 'मतदाता अधिकार दिवस' मनाना का आह्वान करना जले पर नमक छिड़कने जैसा है। इस कार्यक्रम में राजनीतिक दलों को भी शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है, लेकिन पार्टी की केंद्रीय कमेटी ने इस "लोकतंत्र-विरोधी ढकोसले" में शामिल न होने का फैसला किया है।- कुणाल, राज्य सचिव, माले

देशभर के जिला मुख्यालयों पर होंगे विरोध कार्यक्रमः भाकपा-माले ने ऐलान किया है कि 25 जनवरी को, गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, देशभर के जिला मुख्यालयों में विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के सवाल को केंद्र में रखा जाएगा और मताधिकार पर हो रहे हमलों के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई जाएगी।

मताधिकार कोई एहसान नहीं, मौलिक अधिकार हैः पार्टी का कहना है कि मताधिकार कोई दया या औपचारिक उत्सव का विषय नहीं, बल्कि नागरिकों का मौलिक अधिकार है। SIR के जरिए मतदाता सूची से नाम हटाकर लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 'संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ो - मताधिकार की रक्षा के लिए लड़ो' के नारे के साथ 25 जनवरी को व्यापक जन-प्रतिरोध दर्ज कराया जाएगा।

चुनाव आयोग से प्रक्रिया पर रोक की मांगः भाकपा-माले ने चुनाव आयोग से मांग की है कि मतदाता सूची से नाम काटने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए और एक पारदर्शी, जवाबदेह तथा भरोसेमंद व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी नागरिक को उसके संवैधानिक अधिकार से वंचित न किया जा सके।

कटिहार में डीजे संगठन का प्रदर्शन :पुलिस प्रशासन के खिलाफ सड़क जाम

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः डीजे संगठन के सदस्यों ने शुक्रवार मिर्चाईबाडी हनुमान मंदिर के समीप सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि पुलिस प्रशासन मनमाने तरीके से उनके छोटे साउंड सिस्टम जब्त कर रहा है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। डीजे संगठन के अध्यक्ष रविंद्र नाथ पोद्दार ने बताया कि जिला पुलिस प्रशासन त्योहारों में डीजे के प्रयोग पर पाबंदी लगाने के नाम पर उनके छोटे-छोटे साउंड सिस्टम भी जब्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि वे कानून का पूरी तरह पालन करते हैं, इसके बावजूद छोटे साउंड सिस्टम बजाने पर भी रोक लगाई जा रही है। रविंदर पोद्दार ने बताया कि सरस्वती पूजा के लिए उनकी बुकिंग पहले से की गई है। वे स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में छोटे साउंड सिस्टम लगाकर अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं और परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनका कहना है कि पुलिस प्रशासन मनमाने तरीके से उनके साउंड सिस्टम को जबरन जब्त कर रहा है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। गौरतलब है कि सरस्वती पूजा के मद्देनजर जिला पुलिस एवं प्रशासन ने शांति समिति की बैठक के माध्यम से लोगों से डीजे का प्रयोग पूर्ण रूप से बंद करने की अपील की थी। लेकिन डीजे संगठन का कहना है कि वे नियमों का पालन करते हुए अपनी आजीविका चला रहे हैं और पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई से उन्हें परेशानी हो रही है।

बंधी स्टेशन नाली के ऊपर नाली उरी नाली बना रहे Pwd रोड पर सटकर नाली निर्माण अतिक्रमण को बढ़ावा

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर पट्टी मध्य प्रदेश

कटनीः बंधी स्टेशन स्लीमनाबाद,रेल्वे तरफ के लोगों ने सड़क को मुड़वादिया थ 2009में जब रस्सी चुना डालकर ग्राम के ठेकेदारलोग,पानी सोखता सेप्टिक गड्ढों को बचवाया थ, 2007में नाली निर्माण हुआ थ जो अंदर हो गई, फिर एक नाली 2010में बनी थी अब उस तरफ दो सरकारी नालिया भी आंगन बाउंड्री के अंदर हो चुकी जिनकी सिनाख्त कर पाना टेढ़ी खीर सरकारी कुलियों तक को घर बना लिए जिनके मकान रेल्वे साइड वाले,उसी साइड अब तीसरी नालीबन रही, pwd की मिलीभगत से रोड पगडंडी हो गई ट्रैफिक रहता है जबकि नहर से सीधे बाजारस्कूल के बाजू से सटकर आए अगर सही सीमांकन के तहसीलदार से पूर्व नोटिस हो जाएं सिधायी हो जायेगी वर्तमान में पंचायत द्वारा अतिक्रमण बचाकर नाली का जेसीबी से निर्माण किया जा रहा*जो नियम विरुद्ध है pwd रोड से सटकर छोटे छोटे अतिक्रमणों को बचाकर जनपद कार्यपालन यंत्री जी की मिलीभगत से सरकारी राशि का बंदरबांट करने लीपापोती जारीः जनहित में

पटना में हत्या के गवाह के घर पर पथराव

लोकतंत की शान, पटना

- दो साल पुराना केस वापस लेने की धमकी, एसडीपीओ-1 से शिकायत करने पर दर्ज किया एफआईआर

पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र में हत्या के एक गवाह के घर पर पथराव का मामला सामने आया है। अपराधियों ने दो साल पुराने हत्या के मामले को वापस लेने के लिए गवाह के घर पर हमला किया। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पीड़ित परिवार ने बताया कि घटना की रात ही उन्होंने शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। अगले दिन 22 जनवरी को पीड़ितों ने एसडीपीओ 1 राजकिशोर सिंह से शिकायत किया, जिसके बाद स्थानीय थाने में हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया।

घर पर पथराव करने के आरोपः यह घटना आलमगंज के बिस्कोमान गोलंबर कॉलोनी में 21 जनवरी की रात करीब 9 बजे हुई। मृतक के बेटे भारत भूषण ने बताया कि आरोपी विजय यादव अपने कुछ साथियों के साथ उनके घर पर आया और पथराव करने लगा। कुछ हमलावरों के पास हथियार भी थे। मृतक की बड़ी बहू जूही कुमारी ने बताया कि हमलावरों ने घर पर पथराव करने के साथ-साथ गंदी गालियां भी दीं। उन्होंने किसी तरह अपनी जान बचाई और थाने में शिकायत दिया।

केस वापस वापस लेने की दे रहे धमकी- पीड़ित परिवारः जूही कुमारी के अनुसार, 18 अप्रैल 2023 को उनके ससुर अर्जुन सिंह उर्फ अशोक सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में विजय यादव उर्फ विजय पांडे मुख्य आरोपी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विजय यादव के गुंडे केस वापस न लेने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे रहा है। जूही कुमारी ने यह भी बताया कि विजय यादव आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है और बिस्कोमान कॉलोनी में घर बनाने के एवज में लोगों से पैसे की मांग करता है।

एसडीपीओ से शिकायत करने पर दर्ज किया FIRः पीड़ित परिजनों ने इस मामले की लिखित शिकायत आलमगंज थाने में दर्ज कराई थी। दो दिन तक कोई कार्रवाई न होने पर उन्होंने पटना सिटी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी राज किशोर सिंह से संपर्क किया। तब जातक 22 जनवरी के रात FIR दर्ज किया गया है।

SDPO-1 राज किशोर सिंह ने बताया कि, 'शिकायत दर्ज कर ली गई है और सीसीटीवी फुटेज तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।' सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन घटना को लेकर अभी पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

रेत का उत्खनन करते वाहन चालक गिरफ्तार,20तगाड़ी बालू बनी जी का जंजाल

लोकतंत की शान रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। जिले की नदियों से निकल रही रेत का अवैध खनन और परिवहन को रोकने एकबार फिर पुलिस सक्रिय हुई है ,बहरी पुलिस ने एक 407वाहन के चालक को गिरफ्तार किया है जिसके वाहन में महज 20तगाड़ी रेत लेड थी । पुलिस के अनुसार वाहन में रेत लोड करने वाले श्रमिक भाग गये थे इसलिए पूरी गाड़ी नहीं भरी थी मिली जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी बहरी को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई थी कि गोपद नदी से कुछ लोग अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर परिवहन की तैयारी में हैं। सूचना की तस्दीक हेतु तत्काल पुलिस टीम को रवाना किया गया। पुलिस टीम ने जब नदी किनारे बालू घाट पर रेड की, तो वहाँ एक पीले-सफेद रंग का 407 वाहन खड़ा मिला, जिसमें मजदूर फावड़ा-तगाड़ी से अवैध रेत लोड कर रहे थे। अंधेरे का फायदा उठाकर भागे मजदूर, चालक धरायाः पुलिस की आहट पाते ही रेत लोड कर रहे मजदूर अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए वाहन चालक को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम आकाश शुक्ला (पिता श्यामाचरण शुक्ला, उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम जनकपुर कुचवाही) बताया। वाहन की ट्राली की जाँच करने पर उसमें 20-25 तगाड़ी अवैध रेत लोड पाई गई। जप्ती एवं वैधानिक कार्यवाहीः पुलिस ने घटना स्थल से अवैध रेत के उत्खनन में प्रयुक्त फावड़ा, तगाड़ी सहित 407 वाहन को जप्त कर थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया है। आरोपी चालक के विरुद्ध खनिज अधिनियम व संबंधित कानूनी धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई है। सराहनीय भूमिकाः इस कार्यवाही में थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राजेश पांडेय, प्रधान आरक्षक रामसुन्दर साकेत, आरक्षक राजकमल, प्रभात एवं नन्दलाल यादव का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

बसंत पंचमी पर देवालयों में देर शाम तक लगी रही भीड़

- बसंत पंचमी पर खोडगानाथ धाम में भगवान शिव का जलाभिषेक कर श्रद्धालुओं ने लिया आशीर्वाद

लोकतंत्र कि शान रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी । बसंत पंचमी के मौके पर सीधी जिले के कुसमी जनपद पंचायत अंतर्गत कुसमी मुख्यालय से 8किलोमीटर दूरी कोडार ग्राम पंचायत के नौढिया देवार्थ से लगे खोडगानाथ धाम जहां भगवान शिव कच्छप रूप पर पेड़ के नीचे विराजमान हैं काफी प्रचानी समय से आस्था का केन्द्र रहा है।यहां बसंत पंचमी के दिन लोगों को भीड़ सुबह से देखी गई लोग पहुंच कर भगवान भोले शंकर की आराधना करते हुए आशीर्वाद लेते देखे गये। खोडगानाथधाम मंदिर की बात करें तो यहां शिव की पूजा बेहद खास मानी जाती है क्योंकि यहां सिर्फ शिव पूजा ही नहीं यहां भगवान शिव का तिलक महोत्सव करके आयोजित किया जाता है।और भण्डारा प्रसाद भी मिलता है।

श्रद्धालु करते हैं शिव का जलाभिषेक-बसंत पंचमी के दिन खोडगानाथ धाम मंदिर में सुबह से ही हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की पूजा कर रहे हैं और तिलक उत्सव मनाने के बाद आपस में प्रसाद मिठाइयां बांटकर खुशियां मनाते देखें गये हैं।

बसंत पंचमी के दिन आस्था का सैलाब-खोडगानाथ भगवान शिव के कच्छप रूप के दर्शन के लिए भक्तों में उत्साह देखा गया। लोग बताते हैं कि सुबह से ही मंदिर में काफी भीड़ थी. लोग सुबह से ही लाइन लगाकर शिव को जल चढ़ाने के लिए उत्सुक देखें गये और परिवारजनों के बेहतर भविष्य के लिए आशीर्वाद लेते देखे गये हैं।

हर भक्त की होती है मनोकामना पूरी-मंदिर में पहुंच रहे लोगों ने बताया आज का दिन बेहद खास है. बसंत पंचमी के दिन जो भी श्रद्धालु, भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक करते हैं, उसकी सारी मनोकामना पूरी हो जाती है।

अब चलते-फिरते मोबाइल होटल से घूमें बिहार, 2.18 करोड़ की कैरावैन बस लॉन्च

लोकतंत की शान , पटना

- एयरक्राफ्ट जैसा केबिन, बेडरूम-किचन-बाथरूम सहित 24 घंटे फ्री वाई-फाई मिलेगी

अगर आप बिहार को पूरी लग्जरी सुविधाओं के साथ एक्सप्लोर करना चाहते हैं तो इसके लिए 2 करोड़ की कैरावैन बस आपके लिए तैयार है। आज दो कैरावैन बस को हरी झंडी दिखाई गई। बिहार के पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद आज इसका उद्घाटन किया। इस दौरान मंत्री ने खुद बस में सवार होकर सफर किया। ये दोनों बसें एक चलता-फिरता फाइव स्टार होटल है, जिसमें बेडरूम, बाथरूम, किचन सहित ड्रेसिंग एरिया भी है। 24 घंटे इसमें वाई-फाई की सुविधा मिलेगी।

कैरावैन को ऑल इंडिया परमिट, ऑनलाइन बुकिंग सुविधाः दोनों कैरावैन बसों की कुल खरीद लागत लगभग 2 करोड़ 18 लाख आई है। दोनों कैरावैनों को ऑल इंडिया परमिट भी मिली है। इस कैरावैन का उपयोग बिहार और देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों के टूर के लिए किया जाएगा। इसमें देशी-विदेशी पर्यटक पटना से गयाजी, जहानाबाद, बक्सर, नवादा, राजगीर, बांका, वाल्मीकिनगर टाइगर रिजर्व सहित राज्य और देश के कई पर्यटन स्थलों की यात्रा कर सकेंगे। इसका किराया 75 रू प्रति किलोमीटर, कम से कम 250 किलोमीटर प्रतिदिन + 05 प्रतिशत जीएसटी रखा गया है। इसकी बुकिंग ऑनलाइन बिहार टूरिज्म की वेबसाइट और ऑफलाइन ऑफिस आकर कर सकते हैं। आम लोग इसकी बुकिंग सिख हेरिटेज भवन, दरोगा राय पथ में बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के कार्यालय या कौटिल्य विहार काउंटर से कर सकते हैं। इसके अलावा मोबाइल नंबर 8544418209 पर भी बुकिंग की जा सकती है।

सिक्योरिटी के लिए 6 कैमरे को इंस्टॉल कियाः यह बस पूरी तरीके से एयर कंडीशन्ड है, जिसमें सिक्योरिटी के लिहाज से 6 कैमरे को इंस्टॉल किया गया है। इसे बिहार सरकार के लिए बुलेट प्रूफ गाड़ियां बनाने वाली कंपनी ने डिजाइन किया है। इसे बनाने के 3 महीने के भीतर ही दो गाड़ियों को बिहार डिलीवर किया गया है।

हर सीट पर लगे हैं मोटराइज्ड पर्देः JCBL कंपनी के डिप्टी मैनेजर विशाल रतन बताते हैं कि कैरावैन के अंदर इंटर करने के लिए ऑटोमैटिक फोल्डेबल फूट स्टेप्स की सुविधा दी गई है। इस बस में चार रिक्लाइनर, 3 सीटर एक सोफा और 4 स्लीपर बर्थ की सुविधा दी गई है। ये रिक्लाइनर, पूरी तरह से ऑटोमेटेड है, जिसे अपने हिसाब से ऑपरेट किया जा सकता है। इस सीट को 360 डिग्री मूव भी कर सकते हैं। हर सीट के पास खाना खाने के लिए स्नेक टेबल की भी सुविधा दी गई है। सीट के बगल में पर्दे को भी मोटराइज्ड किया गया है, जो बटन से ऑपरेट होते हुए खुल और बंद हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में अब कलेक्टर श्री तिवारी करेंगे ध्वजारोहण

झिंझरी पुलिस ग्राउंड में होगा मुख्य समारोह का आयोजन

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला चीपब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेशः कटनी : राज्य शासन ने गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के जिला स्तरीय कार्यक्रमों के लिये मुख्य अतिथियों की सूची में संशोधन किया है। इसके तहत अब कटनी जिले में कलेक्टर आशीष तिवारी गणतंत्र दिवस पर ध्वज फहरायेंगे। पुलिस लाइन ग्राउंड झिंझरी में गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह परंपरागत गरिमा के साथ मनाया जाएगा। इस मुख्य समारोह में कलेक्टर श्री तिवारी ध्वजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संदेश का वाचन करेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा पूर्व में जारी मुख्य अतिथियों की सूची के तहत कटनी में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री एवं कटनी जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह को ध्वजारोहण करना था।

सरकारी मदद से लगी बगिया एक बाग मां के नाम का कलेक्टर ने किया अवलोकन

लोकतंत्र कि शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो सीधी। कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले की ग्राम पंचायत नौगवां धीर सिंह का भ्रमण कर शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के अंतर्गत संचालित "एक बगिया मां के नाम" तथा नंदन फलोद्यान कार्यों का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं लाभार्थियों को मिलने वाले लाभों की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर श्री सोमवंशी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बगिया एवं फलोद्यान के अंतर्गत लगाए गए पौधों का समुचित संरक्षण, नियमित देखरेख एवं सिंचाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि पौधे सुरक्षित रहें और भविष्य में ग्रामीणों को स्थायी आजीविका का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण परिवारों की आर्थिक मजबूती भी है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली तथा अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने एवं गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं एवं स्व-सहायता समूहों की भागीदारी सुनिश्चित कर योजनाओं को जनआंदोलन का रूप दिया जाए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, डीपीएम एनआरएलएम श्री पुष्पेंद्र सिंह, सीईओ जनपद पंचायत श्री चंदूलाल पनिका सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कलेक्टर को योजनाओं की वर्तमान प्रगति से अवगत कराया। कलेक्टर ने अंत में कहा कि शासन की ये योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में हरित आवरण बढ़ाने, पोषण सुरक्षा मजबूत करने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जिनका लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

यूजीसी कानून के खिलाफ सवर्ण समाज के संगठनों ने बनाई रणनीति

29जनवरी को हो सकता है बड़ा आंदोलन

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। सामान्य वर्ग के छात्रों और युवाओं के भविष्य को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच श्री राजपूत करणी सेना, सीधी के कार्यालय में आज सवर्ण समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के विभिन्न वर्गों—छात्रों, युवाओं, बुजुर्गों एवं प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में गंभीर चर्चा हुई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि यूजीसी जैसे काले कानून के खिलाफ दिनांक 29 जनवरी को गांधी चौक सीधी पर एक विशाल आंदोलन एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान नीतियों के कारण सामान्य वर्ग के छात्रों और युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय हो रहा है, जिसे अब और सहन नहीं किया जाएगा। समाज ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि जब तक इस काले कानून को समाप्त नहीं कराया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। "यह लड़ाई बच्चों के भविष्य की है" बैठक में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा से जुड़े ऐसे कानून, जो किसी विशेष वर्ग के हित में और सामान्य वर्ग के विरुद्ध हों, लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हैं। समाज ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी के विरोध में नहीं, बल्कि अपने अधिकारों और आने वाली पीढ़ी के भविष्य की रक्षा के लिए है।

समाज से की गई अपील-बैठक के अंत में सवर्ण समाज के सभी भाई-बहनों, छात्र-युवाओं से अपील की गई कि वे 29 जनवरी को अधिक से अधिक संख्या में गांधी चौक पहुँचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं और लोकतांत्रिक तरीके से सरकार व प्रशासन पर दबाव बनाएँ। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपे जाने की भी तैयारी की जा रही है।

संकल्प के साथ संदेश-_ संघर्ष करें क्योंकि यह संघर्ष किसी व्यक्ति या संगठन का नहीं, हमारे बच्चों और युवाओं के भविष्य की लड़ाई है।

क्षत्राणी समाज ने जरूरतमंदों को बांटे कम्बल, पूर्व सांसद रहे मुख्य अतिथि

लोकतंत्र की शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। कड़ाके की ठंड को देखते हुए विंध्य क्षत्राणि संगठन ने भरतपुर स्थित दुर्गा मंदिर में एक कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। संगठन की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा प्रदीप सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों को गर्म कंबल बांटे गए, ताकि उन्हें शीतलहर से राहत मिल सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मान सिंह जी (ताला कोठी, रीवा) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राम सिंह जी (राजा साहब गौरैया) और उदय सिंह (पूर्व डी.आई.जी.) ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर प्रदीप सिंह (पूर्व जल उपभोक्ता अध्यक्ष), फतेह सिंह (कार्यकारिणी अध्यक्ष), मुनेंद्र सिंह परिहार (जिला अध्यक्ष रीवा संभाग), शिवेंद्र सिंह भरतपुर, उमेश सिंह भरतपुर, सुधीर सिंह भरतपुर, संजय सिंह, धनंजय सिंह, महेंद्र सिंह भदोरिया, प्रियंका सिंह और राशि सिंह प्रदेश संयोजक रावेंद्र सिंह बघेल सी. एस . सिंह अखंड सिंह कार्यकारिणी अध्यक्ष जितेंद्र सिंह परिहार (इको पार्क रीवा) सुषमा विनय सिंह कोषाध्यक्ष निधि सिंह चौहान प्रवक्ता पूर्व अध्यक्ष सुषमा सिंह अर्चना सिंह सेगर जिला संयोजक ममता सिंह रानी सिंह पुष्पा सिंह उपाध्यक्ष रीता सिंह संरक्षक किरण सिंह बिना सिंह सुमन सिंह मनोज सिंह उप सरपंच खारा हंसराज सिंह महेंद्र पांडेय वंशरूप केवट सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। संगठन द्वारा की गई इस सामाजिक पहल की क्षेत्र में काफी सराहना की गई।

वोट चोरी पकड़ी गईः भाजपा द्वारा फर्जी रुप से वोटर लिस्ट से नाम कटवाये जा रहे हैं

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश के साथ - साथ कटनी जिले में मतदाता सूचीका विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य (एस.आई.आर.) किया जा रहा है जिसके अनुसार प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाश दिनांक 23-12-2025 को किया जा चुका है तथा उक्त सूची में सम्मिलित नामों पर प्रारुप-6 में दावा और प्रारुप-7 में नाम कटवाने के आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं । उल्लेखनीय है कि कअनी विधानसभा के सभी बूथों में बी.एल.ओ. द्वारा स्वतः ही घर- घर जाकर चुनाव आयोग से प्राप्त मतदाता फार्म के वितरण किये गये और मतदाताओं का सत्यापन किया और उसके बाद ही प्रारुप मतदाता सूची का प्रकाशन हुआ है । भाजपा द्वारा प्रारुप मतदाता सूची में सम्मिलित हजारों नामों को काटने का षडयंत्र किया गया है । जिसके अंतर्गत् रघुनाथगंज वार्ड क्रमांक- 23 के बूथ नंबर 178 एवं न्यू कटनी जंक्शन क्षेत्र के 138 से 149 तक एवं शहर के साथअनेकों वार्डों में विभिन्न मतदाता केन्द्रों में हजारों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जाने हेतु फर्जी आपत्तिकर्ता के नाम से तहसील कन्ट्रोल रुम में आवेदन दिये गये हैं । उल्लेखनीय है कि यदि मतदाता सूची में किसी नाम के सम्मिलित होने पर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सामान्यतः वह बूथ में जाकर बी.एल.ओ. को आवेदन देता है लेकिन भाजपा द्वारा षडयंत्र करके हजारों की संख्या में एक साथ आवेदन प्रशासनीक व जिम्मेदार अधिकारियों की उच्च स्तरीय मिलीभगत से सीधे कंट्रोल रुम में दिये और कन्ट्रोल रुम के कर्मचारियों के द्वारा सुपरवाईजर को भिजवाई गई और अब बी.एल.ओ. पर दबाव डालकर ऐसे मतदाताओं के नाम जो जन्म से ही और वर्तमान में निवास कर रहे हैं, उनके नाम मतदाता सूची से काटने का षडयंत्र किया जा रहा है ।

कलश यात्रा के साथ पटपरा में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ

» भागीरथी गंगा मनुष्य के समस्त पापों का शमन करती है – आचार्य अतुल पाठक

लोकतंत्र कि शान, रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। कांग्रेस प्रवक्ता पंकज सिंह द्वारा अपने पूज्य पिता स्वर्गीय संतोष सिंह की पुण्य स्मृति में आयोजित वार्षिक श्राद्ध (वर्षी) के पावन अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला के अंतर्गत श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ गुरुवार 22 जनवरी को किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण व्याप्त रहा। श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिवस प्रातः सोनभद्र गऊघाट से पवित्र जल लेकर श्रद्धालुओं द्वारा हर्षोल्लास के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। पारंपरिक वेशभूषा, जयघोष और भक्ति गीतों के बीच यह कलश यात्रा पटपरा स्थित निज निवास पहुंची। यात्रा में आसपास के अनेक ग्रामों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

कथावाचक का श्रद्धापूर्वक स्वागत-कलश यात्रा के पश्चात कथा स्थल पर प्रसिद्ध कथावाचक पूज्य आचार्य अतुल पाठक (नीलकंठ धाम, मौहार) का भक्तजनों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। प्रथम दिवस कथा के शुभारंभ अवसर पर महेंद्र सिंह,पंकज सिंह, रंजीत सिंह,एड विनोद वर्मा,विजय सिंह सरपंच,जनार्दन सिंह,महेंद्र सिंह कमर्जी,विष्णुप्रताप सिंह,एड अशोक कोरी,चंद्रप्रताप सिंह,विष्णु बहादुर सिंह कमर्जी,नरेंद्र सिंह,नरेंद्र सिंह गुप्पु,बाबा परोहा,गिरजा भारती,शंकर्षण सिंह,सुरेंद्र सिंह,धीरेन्द्र सिंह,अजय सिंह,नीलकंठ वर्मा,धीरू सिंह, रमेश विश्वकर्मा एवं हिंछलाल बढ़ई सहित गणमान्य नागरिकों ने माल्यार्पण कर आचार्य का अभिनंदन किया। साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस आचार्य अतुल पाठक महाराज ने अपने मुखारविंद से अमृतमयी वाणी के माध्यम से श्रद्धालुओं को कथा रस का रसास्वादन कराया। उन्होंने भागीरथी गंगा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि माँ गंगा मनुष्य के समस्त पापों का शमन करने वाली हैं। गंगा के दर्शन मात्र से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव मानी गई है।उन्होंने बताया कि भागीरथी गंगा सदा मानव कल्याण का प्रतीक रही हैं और उनके तट पर किया गया स्मरण, स्नान एवं दर्शन जीवन को पवित्र बनाता है। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे वातावरण में भक्ति, श्रद्धा एवं अध्यात्म का भाव बना रहा। कथा आयोजन से क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना का संचार हुआ है।

मतदाता सूची से नाम काटने के विरोध में खड़ी हुई कांग्रेस, जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर दी आंदोलन की चेतावनी

लोकतंत्र कि शान रामबिहारी पांडेय ब्यूरो

सीधी। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के द्वितीय चरण के दौरान भारतीय जनता पार्टी से जुड़े बीएलओ एवं कार्यकर्ताओं द्वारा सुनियोजित ढंग से फर्जी आपत्तियां दर्ज कराकर मतदाताओं के नाम कटवाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। इसी को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच एवं अवैधानिक तरीके से किए जा रहे नाम विलोपन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। जिला कांग्रेस कमेटी ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि निर्वाचन आयोग की स्पष्ट गाइडलाइन के अनुसार किसी भी मतदाता का नाम मतदाता सूची से विलोपित किए जाने की केवल दो ही वैध परिस्थितियां हैं—या तो संबंधित व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी हो अथवा उसका नाम किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में दर्ज हो। यदि किसी मतदाता का नाम दो स्थानों पर दर्ज है, तो आपत्तिकर्ता को इसका विधिवत प्रमाण प्रस्तुत करना अनिवार्य है तथा मतदाता की स्वेच्छा से यह सहमति भी आवश्यक है कि उसका नाम किस स्थान पर रखा जाए। कांग्रेस कमेटी ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद भाजपा के जिम्मेदार पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता एक-एक बूथ से सैकड़ों की संख्या में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक वर्ग एवं कांग्रेस समर्थित मतदाताओं के नाम बिना किसी प्रमाण के प्रारूप-7 के माध्यम से विलोपित कराने हेतु आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। यह पूरी प्रक्रिया न केवल अवैधानिक है, बल्कि इससे भारत की लोकतांत्रिक निर्वाचन व्यवस्था एवं तंत्र पर आमजन का विश्वास भी डगमगाने लगा है। ज्ञापन में विशेष रूप से यह भी उल्लेख किया गया कि ग्रामीण अंचलों में बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता हैं, जो पुस्तैनी निवासी हैं और वर्षों से नियमित रूप से मतदान करते आ रहे हैं। बीएलओ द्वारा उनके गणना पत्रक भी भरे गए हैं, जिसके आधार पर उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है। बावजूद इसके, आजीविका के लिए अस्थायी रूप से बाहर मजदूरी अथवा काम पर गए ऐसे मतदाताओं के नाम काटने के लिए भाजपा से जुड़े बीएलओ द्वारा प्रारूप-7 में आवेदन दिए जा रहे हैं, जो अत्यंत गंभीर और चिंताजनक विषय है। जिला कांग्रेस कमेटी ने जिला निर्वाचन अधिकारी से मांग की कि सभी अनुविभागीय अधिकारियों एवं तहसीलदारों को स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं कि बिना किसी भौतिक सत्यापन, वैध प्रमाण एवं संबंधित मतदाता की सहमति के किसी भी मतदाता का नाम मतदाता सूची से विलोपित न किया जाए। इससे यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी योग्य मतदाता अपने संवैधानिक मतदान अधिकार से वंचित न हो। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मतदाता सूची में इस प्रकार की अनियमितताओं पर तत्काल रोक नहीं लगाई गई, तो लोकतंत्र की मूल भावना को ठेस पहुंचेगी और आम नागरिकों का निर्वाचन प्रक्रिया से विश्वास उठता जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन से निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नियमों के अनुरूप कार्रवाई की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से महामंत्री नवीन सिंह, महामंत्री ओमकार करचुली, महामंत्री ज्ञानेंद्र अग्निहोत्री, महामंत्री अखण्ड प्रताप सिंह,ब्लॉक अध्यक्ष विवेक सिंह दीपू, ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद तिवारी, सचिव राहुल शुक्ला शामिल रहें।

नगर निगम परिसर में उत्सव एवं भव्य पूर्ण माहोल के बीच संपन्न हुआ सामूहिक विवाह का कार्यक्रम

» 30 कन्याओं के हुए हाथ पीले, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से संपन्न हुआ विवाह

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी – नगर निगम कटनी कार्यालय परिसर का प्रांगण आज शुक्रवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 30 कन्याओं के विवाह का साक्षी बना। जहां आज का नजारा अन्य दिनों से कुछ अलग रहा। यहां उत्सव और भव्य पूर्ण माहौल में वर और वधू पक्ष के रिश्तेदारों और नाते दारो की चहल-पहल सुबह से ही देखने को मिली। वर एवं वधू के परिवार जन उत्साह के साथ रंग बिरंगे परिधानों में विवाह स्थल में पहुंच रहे थे। सुबह से ही खुशनुमा माहौल था। घराती और बाराती पक्ष अपने मेहमानों के साथ कार्यक्रम स्थल में पहुंच रहे थे। इस कार्यक्रम के आयोजन की संपूर्ण जिम्मेवारी निगम प्रशासन ने संभाल रखी थी। विवाह का कार्यक्रम गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया गया। इस दौरान महापौर श्रीमती प्रीति सूरी, निगमाध्यक्ष मनीष पाठक, मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू, डॉ रमेश सोनी, गोविंद चावला, उमेन्द्र अहिरवार, सुरेंद्र गुप्ता] पार्षद वंदना रजकिशोर यादव, सीमा श्रीवास्तव, रेखा संजय तिवारी, सुनीता कमलेश चौधरी, शशिकांत तिवारी, सुखदेव चौधरी, पूर्व निगमाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रहरि, पूर्व पार्षद ऋचा गेलानी सहित समाजसेवी नंद कुमार बसरानी नंदू भैया, राजकुमार शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य जनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, निकाह योजना के तहत गरीब परिवारों की कन्याओं का विवाह धूमधाम से सम्पन्न होने पर गर्व महसूस होता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रयासों से अब बेटियां बोझ नहीं वरदान बनकर हर क्षेत्र में अपना नाम रोशन कर रहीं है। प्रदेश सरकार गरीब परिवारों की कन्याओं के विवाह की जवाबदारी अपने हाथों में ले रखी है। अब कन्या विवाह के लिए अभिभावकों को चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। महापौर श्रीमती सूरी ने विवाह सूत्र में बंधने वाले नव दंपत्तियों को सफल जीवन की शुभकामनाएं निगमाध्यक्ष श्री मनीष पाठक ने भी वर-वधुओं के सुखद और सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। ।प्रत्येक वधु को गृहस्थी का सामान खरीदने 49 हजार रुपए की राशि का चेक एवं विवाह प्रमाण पत्र का सांकेतिक रूप से वितरण किया गया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा मेयर इन काउंसिल सदस्यों एवं पार्षदों की ओर से नवयुगलों को उपहार एवं तुलसी का गमला भी भेंट किया गया। कार्यक्रम के दौरान निगम प्रशासन द्वारा वर-वधू पक्ष के लोगों के लिए भोजन के पैकेट की व्यवस्था भी निगम प्रशासन द्वारा की गई थी। कार्यक्रम का सफल संचालन राजस्व अधिकारी श्री जागेश्वर पाठक ने किया। आयोजित सामूहिक विवाह में नगर निगम के विभिन्न शाखाओं के अधिकारी, कर्मचारी एवं वर-वधुओं के रिश्तेदारों की काफी संख्या में उपस्थिति रही।

टाटा महाविद्यालय सीधी में मां सरस्वती पूजन कार्यक्रम श्रद्धा पूर्वक संपन्न

लोकतंत्र कि शान रामबिहारी पांडेय ब्यूरो सीधी

भारतीय शिक्षण मंडल (महाकौशल प्रांत) एवं टाटा महाविद्यालय, सीधी (म.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में मां सरस्वती पूजन कार्यक्रम का आयोजन 23 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे महाविद्यालय सभागार में विधिवत रूप से भारतीय शिक्षण मण्डल का ध्येय श्लोक, ध्येय वाक्य, संगठन गीत के साथ प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जिला प्रचारक आरएसएस शुभम जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता टाटा महाविद्यालय सीधी के निदेशक इंजी. आर.बी. सिंह द्वारा की गई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप सिद्धभूमि इंटरनेशनल स्कूल की संचालिका श्रीमती रचना राजे सिंह जी, टाटा कॉलेज के सी.ई.ओ. डॉ. अतुल द्विवेदी, सी.ई.ओ. डॉ. राजेश वर्मा, प्राचार्य राघवेंद्र द्विवेदी, अकादमिक डीन सौरभ सिंह, टी.आई. टी. प्राचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह, वरिष्ठ लाइब्रेरियन एवं केंद्र अधीक्षक बी.एल. सिंह सहित समस्त विभागाध्यक्ष, शिक्षक गण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता शुभम ने अपने उद्बोधन में कहा कि मां सरस्वती ज्ञान, विवेक और संस्कारों की प्रतीक हैं तथा इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना का विकास करते हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में इंजी. आर.बी. सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों का समन्वय ही समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाता है। कार्यक्रम में मंच संचालन श्रीमती प्राची तिवारी द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम संयोजन की जिम्मेदारी विनय द्विवेदी ने निभाई। कार्यक्रम का समापन आरती, मंत्र एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

हत्या के के आरोपी को आजीवन सश्रम कारावास चार हजार के अर्थदण्ड की सजा से दण्डित करने का फैसला

» प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

» मृतक ने नाम लेकर पुकारा तो आरोपी ने उतार दिया था मौत के घाट

» जमोड़ी थाना के हड़बड़ो गांव में दो साल पूर्व हुई थी हत्या की घटना

लोकतंत्र की शान सीधी, रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख

नाम लेकर पुकार दिया तो आरोपी को इतना नगवारा गुजरा की उसका गला दबाकर हत्या कर शव को दूर लेजाकर फेंक दिया था पुलिस ने कड़ी से कड़ी जोड़कर आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण की सुनवाई के लिए न्यायालय में पेश किया था जहां हुई दो वर्षीय सुनवाई के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आरोपी को आजीवन सश्रम कारावास व चार हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित करने का फैसला सुनाया है। जिला अभियोजन कार्यालय से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है की तीन साल पहले दिनांक 11.09.2023 को दोपहर 12:15 बजे सूचनाकर्ता सोनू साकेत तनय दधिबल साकेत उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम हडबडो ने थाना जमोड़ी में इस आशय की सूचना दी कि उसका भाई हरिश्चन्द्र साकेत दिनांक 10.09.2023 को परिवार के ददुली साकेत के साथ सुबह करीब 08-09 बजे गांव की तरफ निकला था, जो रात में घर वापस नहीं आया। दिनांक 11.09.2023 को सुबह करीबन 10.00 बजे गांव के विनोद सिंह चौहान फोन से बताये कि सिरसी तेगवा के जंगल में उसके भाई हरिश्चन्द्र साकेत की लाश पड़ी है, तब सूचना पर वह अपनी मॉ ददनिया साकेत, भाभी रन्नू साकेत, भाई सुनील साकेत, राजेश साकेत के साथ ग्राम तेगवा में तेगवा सिरसी मेनरोड के किनारे तेगवा के जंगल में पहुंचा, तो देखा कि भाई हरिश्चन्द्र साकेत तेगवा के जंगल में मेनरोड से करीबन 100 मीटर अंदर जमीन पर मृत हालत में पड़े थे। उनके गले में सफेद रंग की तौलिया कसकर बंधी थी, पैर के पास सफेद रंग की चप्पल पड़ी थी तथा गले में, हाथ व कमर में चोट के निशान दिख रहे थे। उसके भाई हरिश्चन्द्र साकेत की किसी अज्ञात व्यक्ति ने गमछे से गला घोटकर हत्या कर दी है तथा लाश को जंगल में लाकर फेंक दिया है। उक्त सूचना के आधार पर अप्राकृतिक मृत्यु का मर्ग कायमी धारा 174 जा.फौ. अंतर्गत की गई एवं जीरो की देहाती नालसी के आधार पर थाना जमोडी में अप0 क्र0 747/2023 पर धारा 302, 201 भा0द0सं0 के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध की गयी। प्रकरण की विवेचना के दौरान यह तथ्य पता चला कि अभियुक्त ने छोटी सी बात अर्थात् आरोपी को मृतक द्वारा मात्र पंचराज कह देने पर नाराज होकर बदला लेने के आशय से अपचारी बालक के साथ मिलकर मृतक हरिश्चन्द्र की हत्या कर दी। प्रकरण को पुलिस अधीक्षक सीधी द्वारा जघन्य एवं सनसनीखेज प्रकरण की श्रेणी में चिन्हित कर विवेचना के निर्देश जारी किये गये। मामले की प्रारंभिक विवेचना उपनिरी. पवन सिंह एवं संपूर्ण विवेचना उपनिरी. शेषमणि मिश्रा के द्वारा की गई है। मामले की संपूर्ण विवेचना पश्चात् प्रकरण में संलिप्त विधि विरूद्ध अपचारी बालक का अभियोग पत्र किशोर न्याय बोर्ड सीधी में प्रस्तुत किया गया एवं अभियुक्त के विरूद्ध अभियोग पत्र तैयार कर न्यायालय सीधी में प्रस्तुत किया गया। मामले का विचारण माननीय न्यायाधीश, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय सीधी में किया गया, जिसके न्यायालयीन सत्र प्रकरण क्रमांक 169/2023 में शासन की ओर से सशक्त पैरवी करते हुए सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी प्रशान्त कुमार पाण्डेय एवं सहायक निदेशक, अभियोजन सीधी श्री राजकुमार रावत के द्वारा अभियुक्त को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया। परिणामस्वरूप माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय, सीधी की न्यायालय के द्वारा अभियुक्त राजकुमार सिंह गोंड तनय पंजाब सिंह गोंड उम्र-44 वर्ष, निवासी ग्राम हडबडो, थाना जमोडी, जिला सीधी म.प्र. को धारा 302 सहपठित धारा 34 भादवि के आरोप में आजीवन सश्रम कारावास एवं 2,000/- रूपए अर्थदण्ड तथा धारा 201 भादवि में 05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 2,000/- रूपए अर्थदण्ड से दंडित करने का फैसला सुनाया गया गया है।

संक्षिप्त समाचार

रिपोर्ट-ट्रम्प ने राष्ट्रपति पद का इस्तेमाल कर फैमिली बिजनेस बढ़ाया, एक साल में संपत्ति 12,800 करोड़ बढ़ी

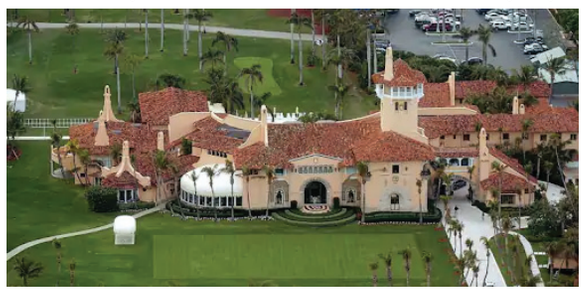

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को दावोस में दावा किया कि वे अमेरिका को फिर से महान और अमीर बना रहे हैं। उन्होंने अपनी नीतियों और टैरिफ के कारण 16.48 लाख करोड़ रुपये के निवेश आने का दावा किया। वहीं 20 जनवरी को आई न्यूयॉर्क टाइम्स (NYT) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, टैरिफ वॉर का बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ा। इस दौरान ट्रम्प की निजी संपत्ति में जबरदस्त इजाफा हुआ है। NYT के अनुसार, जनवरी 2025 में दोबारा व्हाइट हाउस लौटने के बाद पिछले एक साल में ट्रम्प की संपत्ति कम से कम करीब 12,810 करोड़ रुपए बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि असली कमाई इससे ज्यादा भी हो सकती है, क्योंकि कई मुनाफे सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में 8 ट्रम्प-ब्रांडेड प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं या प्लान्ड हैं, जिनमें रेसिडेंशियल टावर्स, कमर्शियल स्पेस और अन्य शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प ने राष्ट्रपति के पद की शक्ति का इस्तेमाल कर खुद और परिवार को फायदा पहुंचाया। ट्रम्प विदेशी सरकारों और कंपनियों से ऐसे सौदे कर रहे हैं जिनसे उनके परिवार को पैसा मिल रहा है। ट्रम्प की कमाई का बड़ा हिस्सा विदेशी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स से आया है। ट्रम्प ऑर्गनाइजेशन 20 से ज्यादा विदेशी प्रोजेक्ट्स चला रहा है। उन्होंने 'ट्रम्प' नाम को लाइसेंस देकर करीब 210 करोड़ रुपये कमाए, जिसमें ओमान में लग्जरी होटल और सऊदी अरब में गोल्फ कोर्स शामिल हैं। भारत में पहला ट्रम्प-ब्रांडेड कमर्शियल प्रोजेक्ट ट्रम्प वर्ल्ड सेंटर पुणे में बन रहा है। इससे ट्रम्प को 289 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई होने का अनुमान है। गुड़गांव में रेसिडेंशियल और होटल प्रोजेक्ट्स लिस्टेड हैं। दिलचस्प बात यह है कि कुछ महीने पहले ट्रम्प ने भारत को डेड इकॉनमी कहा था।

अमेरिका में 5 साल के बच्चे को हिरासत में लिया, स्कूल से लौटते समय गाड़ी से उतारा, फिर पिता गिरफ्तार

मिनेसोटा। अमेरिका के मिनेसोटा स्टेट के कोलंबिया हाइट्स में मंगलवार को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (ICE) एजेंट्स ने एक 5 साल के बच्चे लियाम कोनेजो रामोस को पिता के साथ हिरासत में लिया। BBC के मुताबिक दोनों को टेक्सास के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर भेजा गया है। लियाम की स्कूल सुपरिंटेंडेंट जेना स्टेनविक ने बताया, 'एजेंट्स ने चलती गाड़ी से बच्चे को उतारा। फिर उन्होंने उसे घर का दरवाजा खटखटाने को कहा, ताकि पता चले कि अंदर कोई है या नहीं।' जेना ने इसे 5 साल के बच्चे का इस्तेमाल करना बताया। गिरफ्तारी के डर से पिता ने मां को दरवाजा खोलने से मना किया। हालांकि कुछ देर बाद माता-पिता ने अपने बच्चे को घर के अंदर लाने की मंशा से दरवाजा खोला, तभी बाहर मौजूद एजेंट्स ने पिता को गिरफ्तार किया। वहीं बच्चे को घर में मौजूद दूसरे लोगों को सौंपने से इनकार कर उसे भी अपने साथ ले गए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मिनियापोलिस लीडर्स से मुलाकात के दौरान घटना पर बात की। उन्होंने कहा, 'बच्चा सिर्फ डिटेन हुआ है, गिरफ्तार नहीं।' वेंस ने कहा कि एजेंट्स बच्चे को ठंड में छोड़ नहीं सकते थे और गैर-कानूनी व्यक्ति को गिरफ्तार करना जरूरी है। लियाम अपने स्कूल जिले का चौथा छात्र है, जिसे ICE ने हिरासत में लिया है। स्कूल प्रशासन और परिवार के वकील के अनुसार, यह परिवार साल 2024 में इक्वाडोर से अमेरिका आया था। परिवार पर शरण से जुड़ा मामला चल रहा है, लेकिन उन्हें अमेरिका छोड़ने का कोई आदेश नहीं दिया गया था। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के अधिकारी के मुताबिक पिछले 6 हफ्तों में यहां करीब 3,000 गिरफ्तारियां हुई हैं। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले छह हफ्तों में इस इलाके में करीब 3,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। चिल्ड्रेंस राइट्स संगठन की लीशिया वेल्च ने हाल ही में एक डिटेंशन सेंटर का दौरा किया। उनका कहना है कि वहां बच्चों की संख्या लगातार बढ़ रही है। कई बच्चे 100 दिनों से भी ज्यादा समय से हिरासत में हैं। दिसंबर में अमेरिकी सरकार ने खुद माना था कि करीब 400 बच्चों को डिटेंशन में रखा गया है। इनमें से ज्यादातर बच्चे बीमार हैं, कुपोषण का शिकार हैं और गंभीर शारीरिक व मानसिक परेशानी झेल रहे हैं।

पुणे में कार ने 5 साल के बच्चे को कुचला, मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे स्थित लोनी काल्भोर में शुक्रवार को एक रिहायशी सोसाइटी में कार ने साइकल चला रहे 5 साल के बच्चे को कुचल दिया। इस हादसे में बच्चे की मौत हो गई। ये पूरी घटना सोसाइटी में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में दिखता है बच्चा साइकल चला रहा था तभी एक कार आई और बच्चे को कुचलते हुए निकल गई। कार सवार सोसाइटी में अपने दोस्त को छोड़ने के लिए आया था। लौटते वक्त गेट के पास ये हादसा हुआ। बच्चे के पिता ने लापरवाही और तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने के कारण मौत का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने कहा कि वे CCTV की जांच कर रहे हैं। निवासियों ने इस घटना पर गुस्सा जाहिर किया है। लोगों ने सवाल उठाया है कि सोसाइटी के अंदर तेज गाड़ी चलाने की इजाजत कैसे दी गई। उन्होंने ड्राइवर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

राजस्थान-यूपी में बारिश, शिमला-मनाली में सीजन की पहली बर्फबारी, श्रीनगर एयरपोर्ट पर 4 इंच बर्फ

देहरादून/चंडीगढ़/शिमला/जयपुर। उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने से मौसम बदल गया है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में देर रात से बारिश हो रही है। तेज हवाएं चल रही हैं। कई जिलों में तापमान घट गया है। हिमालय के राज्यों में भी बारिश-बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। हिमाचल के शिमला-मनाली में सीजन की पहली बर्फबारी हुई। इससे साढ़े तीन महीने से चल रहा ड्राई स्पेल खत्म हो गया है। जम्मू-कश्मीर के मैदानी और पहाड़ी जिलों में बर्फबारी जारी है। श्रीनगर एयरपोर्ट पर 4 इंच तक बर्फ जम गई है, इसके कारण शुक्रवार के लिए सभी फ्लाइट कैंसिल कर दी गई हैं। श्रीनगर-जम्मू हाईवे भी बंद है। नवयुग टनल के पास ट्रैफिक रोक दिया गया है। मुगल, सिंथन रोड भी बंद हैं। कटरा में बर्फबारी के कारण वैष्णो देवी यात्रा रोक दी गई है। राजौरी, पुंछ और कठुआ में स्कूल बंद हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 26 जनवरी को दूसरा स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। इससे उत्तर भारत के 9 राज्यों में बारिश और पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ या वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम होता है। इसके एक्टिव होने से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होती है। तापमान में गिरावट, पाला और कोल्डवेव के हालात बनते हैं।

ट्रम्प के गाजा पीस बोर्ड को लेकर घिरे पाकिस्तानी पीएम

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को दावोस में अमेरिका के 'बोर्ड ऑफ पीस' के चार्टर पर साइन किए हैं। इस बोर्ड को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अगुवाई में गाजा में शांति कायम करने और फिर से बसाने के लिए बनाया गया है। पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक ऐसा करके शहबाज शरीफ अपने ही घर में घिर गए हैं। पाकिस्तान में विपक्षी पार्टियों ने उनके फैसले का विरोध किया है और इसे पाकिस्तान के लिहाज से गलत बताया है। प्रसिद्ध पत्रकार और लेखक जाहिद हुसैन ने कहा कि पाकिस्तान ने जल्दबाजी में यह कदम उठाया है।

हुसैन ने कहा कि PM को दूसरों के फैसलों का इंतजार करना चाहिए था। उन्होंने इसे ट्रम्प की जोखिम भरी नीति का हिस्सा बताया और कहा कि यह बोर्ड यूनाइटेड नेशन (UN) के जैसा एक संगठन बन रहा है, जो वैश्विक व्यवस्था के लिए खतरा है। हुसैन ने कहा कि यह बस एक अमीरों का क्लब बन रहा है।

ट्रम्प की गुड बुक्स में रहने के लिए गाजा पीस बोर्ड से जुड़ा पाकिस्तान: लेखक हुसैन ने चिंता जताई कि पाकिस्तान ट्रम्प की गुड बुक्स में रहने के लिए उनकी नीतियों का पालन कर रहा है। एक जिम्मेदार देश की विदेश नीति ऐसी नहीं होती। बोर्ड में इजराइल और अब्राहम समझौते करने वाले देश शामिल हैं, लेकिन फिलिस्तीनियों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। उन्होंने इसे 'विनाशकारी कदम' करार दिया। उन्होंने पूछा कि क्या पाकिस्तान हमास को हथियार छोड़ने पर मजबूर करने के लिए तैयार है। उन्होंने आशंका जताई कि अमेरिकी जनरल के नेतृत्व में गाजा में फोर्स तैनात हो सकता है और पाकिस्तानी सैनिकों को फिलिस्तीनी प्रतिरोध से लड़ना पड़ सकता है।

♦ **विपक्ष बोला- ट्रम्प को खुश करने के लिए इससे जुड़े शहबाज, यह अमीरों का एक क्लब**

विपक्ष बोला- यह बोर्ड फिलिस्तीनियों से उनका अधिकार छीन रहा: संसद में विपक्षी नेता अल्लामा राजा नासिर अब्बास ने एक्स पर पोस्ट कर इसे नैतिक रूप से गलत और अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि यह बोर्ड फिलिस्तीनियों से उनका अधिकार छीन रहा है। यह फिलिस्तीनियों के आत्मनिर्णय के अधिकार को कमजोर करेगा और UN को हाशिए पर धकेलने की कोशिश है। पाकिस्तान, जो कश्मीर जैसे मुद्दों पर UN के प्रस्तावों पर जोर देता है, इस तरह की पहल में शामिल होकर अपनी विश्वसनीयता खो रहा है।

उज्जैन के तराना में तनाव बस फूंकी-दुकान जलाई

♦ **मंदिर पर पथराव, सीसीटीवी में युवक पथराव करते-हमला करते दिखे, 13 बसों में तोड़फोड़, 15 गिरफ्तार**

एजेंसी, उज्जैन/तराना

उज्जैन के तराना कस्बे में गुरुवार रात शुरू हुआ विवाद शुक्रवार दोपहर बाद हिंसा में बदल गया। हालात उस समय बेकाबू हो गए, जब एक दुकान में आग लग गई और बस को फूंक दिया गया। आगजनी के बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया, जिसमें एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने 15 लोगों को गिरफ्तार किया है।

गुरुवार रात एक युवक से मारपीट की घटना के बाद दो समुदाय आमने-सामने आ गए थे। इस दौरान उपद्रवियों ने 13 बसों में तोड़फोड़ की। शुक्रवार को तनाव और बढ़ गया, जब हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने तराना थाने का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों का जुलूस निकालने और उनके घर तोड़ने की मांग की।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और नारेबाजी की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से शुक्रवार को बाजार बंद रखने का फैसला किया। क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। जुमे की नमाज भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न कराई गई।

फिलहाल, इलाके में तनाव है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

कनाडाई पीएम के बयान से नाराज हुए ट्रम्प, गाजा पीस बोर्ड का न्योता छीना

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के एक बयान से नाराज हो गए हैं। उन्होंने कार्नी से गाजा 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने का न्योता वापस ले लिया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। दरअसल कार्नी ने 20 जनवरी को दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में कहा था कि अमेरिका के दबदबे वाली वैश्विक व्यवस्था अब खत्म हो चुकी है। कार्नी के बयान के अगले दिन 21 जनवरी को ट्रम्प ने दावोस में उन्हें खरी-खोटी सुनाई। ट्रम्प ने कहा कि कनाडा को अमेरिका से बहुत कुछ मुफ्त में मिलता है। उन्हें इसके लिए अमेरिका का आभारी होना चाहिए, लेकिन वह नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि "कनाडा, अमेरिका की वजह से ही टिका हुआ है। कनाडाई पीएम अगली बार बयान देते वक्त यह बात याद रखें।"

मार्क कार्नी ने दावोस में कहा कि दुनिया किसी बदलाव की तरफ नहीं, बल्कि टूटने की तरफ आगे बढ़ रही है। कार्नी ने कहा- "हाल के वर्षों में आर्थिक और राजनीतिक संकटों ने दिखा दिया है कि देशों की ज्यादा वैश्विक निर्भरता उन्हें जोखिम में डाल सकती है।" कार्नी ने अमेरिकी टैरिफ नीति को भी गलत बताया था। उन्होंने कहा, "बड़े देश अब इन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करके दबाव डाल रहे हैं, जिससे कमजोर देशों को मजबूर किया जा रहा है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- विमान में पहले से खराबी थी अमेरिकी रिपोर्ट में इलेक्ट्रिकल फेलियर की आशंका

एजेंसी, नई दिल्ली

अहमदाबाद में 12 जून 2025 को क्रैश हुए एअर इंडिया के बोइंग 787 विमान में पहले से कई गंभीर तकनीकी दिक्कतें थीं। चार साल पहले प्लेन में आग भी लगी थी। अमेरिका स्थित फाउंडेशन फॉर एविएशन सेफ्टी (FAS) ने दावा किया है कि विमान में इलेक्ट्रिकल सिस्टम फेल होने से एक के बाद एक कई सिस्टम बंद हुए। हो सकता है कि यही हादसे की वजह बना हो। विमान टेकऑफ के कुछ ही सेकेंड बाद अहमदाबाद के रिहायशी इलाके में गिर गया था। इस हादसे में 270 लोगों की मौत हुई थी। सिर्फ एक शख्स जिंदा बचा था।

प्लेन में 2014 से ही खराबी आ रही थी: FAS के मुताबिक, यह बोइंग 787 विमान 2014 से उड़ानों में इस्तेमाल हो रहा था। व्हिसलब्लोअर के दस्तावेजों के आधार पर संगठन का दावा है कि विमान में शुरुआत से ही बार-बार तकनीकी और सिस्टम से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। रिपोर्ट में कहा गया कि 2022 में एक बार उड़ान के दौरान विमान में आग भी लगी थी। संभव है कि इससे विमान के अंदरूनी सिस्टम को नुकसान पहुंचा हो। FAS का कहना है कि ऐसी घटनाओं की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई।

इलेक्ट्रिकल फेलियर से कई सिस्टम एक साथ फेल हुए: FAS का मुख्य दावा है कि हादसे की जड़ इलेक्ट्रिकल फेलियर हो सकता है। संगठन के मुताबिक आधुनिक विमानों में ज्यादातर सिस्टम बिजली और सॉफ्टवेयर से जुड़े होते हैं। ऐसे में बिजली सप्लाई में खराबी आने पर कई सिस्टम एक साथ बंद हो सकते हैं। FAS ने कहा कि विमान की तकनीकी हालत और कॉकपिट वॉइस रिकॉर्डिंग से जुड़ा पूरा डेटा अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। इनके बिना यह साफ नहीं हो पा रहा कि सिस्टम किस क्रम में फेल हुए।

270 लोगों की मौत हुई थी

दूसरे देशों में भी बोइंग 787 को लेकर शिकायतें: FAS ने कहा कि यह समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में उड़ रहे दूसरे बोइंग 787 विमानों में भी करीब 2,000 फेलियर की शिकायतें दर्ज की गई हैं। यह पूरी 787 फ्लीट से जुड़ा सुरक्षा का गंभीर मुद्दा है।

एअर इंडिया को घाटे का अनुमान: अहमदाबाद विमान हादसे और क्षेत्रीय एयरस्पेस बंद होने का असर एयर इंडिया की कमाई पर पड़ा है। अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में कंपनी को 15,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का रिकॉर्ड घाटा हो सकता है। पाकिस्तान के भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस बंद करने से यूरोप और अमेरिका की उड़ानों का खर्च भी बढ़ गया।

भारत की एंटी ड्रोन शील्ड चेक कर रहा पाकिस्तान ऑपरेशन सिंदूर के बाद से 800 ड्रोन भेजे

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ लड़ने का एक खतरनाक और सस्ता युद्ध मॉडल अपनाया है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, इस ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान की तरफ से 800 से ज्यादा ड्रोन भारतीय हवाई सीमा में भेजे गए। इसे लो लेवल ड्रोन वारफेयर (कम ऊंचाई पर ड्रोन युद्ध) कहा जाता है। सूत्र बताते हैं कि यह सिर्फ इक्का-दुक्का घटनाएं नहीं हैं, बल्कि भारत की एयर डिफेंस और एंटी ड्रोन शील्ड परखने की सैन्य रणनीति का संकेत है। ये ड्रोन कम ऊंचाई पर उड़ते हैं, जिससे रडार को चकमा दे सकते हैं। ज्यादातर ड्रोन राजस्थान और पंजाब की सीमा पर देखे गए। भारतीय सुरक्षा बलों ने 800 में से करीब 240 ड्रोन मार गिराए। 5 ड्रोन में हथियार या युद्ध से जुड़ा सामान मिला। 160 से ज्यादा ड्रोन दूसरे सामान गिराने के लिए आए थे, जबकि करीब 72 ड्रोन नशीले पदार्थ लेकर आए थे।

इस साल जनवरी में अब तक ड्रोन घुसपैठ की 12 घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

आतंकियों की मदद को सर्विलांस: सूत्रों के अनुसार, ज्यादातर ड्रोन सर्विलांस करने आए थे। इनका मकसद भारतीय सेना की तैनाती और उसका पैटर्न पता लगाना था। पाकिस्तान ऐसे सर्विलांस से आतंकियों की घुसपैठ के रास्ते खोजता रहा है।

सैन्य संचालन- महानिदेशक स्तर पर हॉटलाइन पर होने वाली वार्ता में भारत ने ड्रोन एक्टिविटी पर आपत्ति दर्ज कराई है। एहतियात के तौर पर भारतीय सेना और वायु सेना काउंटर ड्रोन सिस्टम खरीद रही हैं।

सेना स्वदेशी - डिफेंस कंपनी आईजी डिफेंस से हैंडहेल्ड एंटी ड्रोन जैमर खरीदेगी। डीआरडीओ द्वारा तैयार 16 एंटी ड्रोन लेजर सिस्टम खरीदे जा रहे हैं। ये पाक सीमा और एलओसी पर तैनात किए जाएंगे।

❐ **सेना ने 240 मार गिराए गए**

बॉर्डर पर ड्रोन की 5 घटनाएं: राजस्थान और पंजाब बॉर्डर के अलावा जम्मू-कश्मीर में पिछले 2 हफ्तों मे LoC के पास पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने की पांच घटनाएं हो चुकी हैं। ड्रोन देखे जाने के बाद सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने एंटी ड्रोन सिस्टम को एक्टिवेट कर दिया था। इसके बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गए थे। 20 जनवरी को कठुआ जिले में नियमित निगरानी के दौरान नजर आया था। इससे पहले 17 जनवरी को रामगढ़ सेक्टर में, 15 जनवरी को भी रामगढ़ सेक्टर में एक बार, 13 जनवरी को राजौरी जिले में दो बार और 11 जनवरी को नौशेरा सेक्टर, धरमसाल सेक्टर, रियासी, सांबा और पुंछ के मंकोट सेक्टर में एकसाथ पांच ड्रोन स्पॉट किए गए थे।

जम्मू-कश्मीर- 2 हफ्तों में

2025 के मुकाबले 11 दिन पहले खुलेंगे बद्रीनाथ के कपाट

एजेंसी, चमोली

उत्तराखंड के चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट इस बार पिछले साल के मुकाबले 11 दिन पहले खुलेंगे। तय हुआ है कि बद्रीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। वहीं उत्तरकाशी के गंगोत्री धाम और यमुनोत्री धाम के कपाट 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर विधि-विधान से भक्तों के लिए खोले जाएंगे। बसंत पंचमी के मौके पर आज नरेंद्र नगर राजमहल में विधि-विधान के साथ बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि की आधिकारिक घोषणा की गई। परंपरा के अनुसार राजपुरोहित महाराजा मनुजेंद्र शाह की जन्मपत्री और लग्न पत्रिका देखकर शुभ मुहूर्त निकालते हैं। 2025 में उत्तरकाशी में स्थित गंगोत्री धाम के कपाट 22 अक्टूबर को विधि-विधान के साथ बंद किए गए। इसके अगले दिन ही दिन 23 अक्टूबर को यमुनोत्री धाम के कपाट विधि विधान से बंद कर दिए गए थे

♦ **टिहरी के राजा ने किया शुभ मुहूर्त का ऐलान, गंगोत्री-यमुनोत्री के कपाट खुलने की तिथि भी घोषित**

इसके बाद यात्रियों के लिए इन दोनों धामों में नियमित दर्शन बंद हो गए और शीतकालीन पूजा की व्यवस्थाएं शुरू कर दी गईं। वहीं चमोली जिले में स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को दोपहर 2 बजकर 56 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद किए गए थे। फिलहाल बद्रीनाथ की शीतकालीन पूजा जोशीमठ के नरसिंह मंदिर में चल रही है। पौराणिक परंपरा के अनुसार गाडू घड़ा यात्रा राजमहल पहुंचती है। यहां कुंवारी और सुहागिन महिलाएं व्रत रखकर बद्रीनाथ धाम के लिए तिल का तेल निकालती हैं।

शशि थरूर केरल कांग्रेस की बैठक में शामिल नहीं हुए

एजेंसी, नई दिल्ली

तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर शुक्रवार को केरल विधानसभा चुनावों को लेकर होने वाली पार्टी की अहम रणनीतिक बैठक में शामिल नहीं हुए। सूत्रों के मुताबिक थरूर हालिया घटनाक्रम से नाराज हैं। पीटीआई सूत्रों का कहना है कि 19 जनवरी को कोच्चि में आयोजित महापंचायत कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने मंच पर मौजूद कई वरिष्ठ नेताओं का नाम लिया, लेकिन शशि थरूर को नजरअंदाज कर दिया था।

थरूर के करीबी सूत्रों के मुताबिक यह घटना उनके लिए टिपिंग पॉइंट साबित हुई। इससे पहले भी राज्य के कुछ नेता उन्हें नजरअंदाज करने की कोशिश कर चुके हैं, जिससे वह असहज महसूस कर रहे थे।

इस मामले पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि केरल कांग्रेस के सभी बड़े नेता मीटिंग में आ रहे हैं। जो कांग्रेस के किसी काम के नहीं हैं और बड़े नेता नहीं हैं वे आएं या न आएं कोई फर्क नहीं पड़ता। इस मामले पर थरूर के ऑफिस से कहा गया की ओर से कहा गया है कि वे केरल लिटरेचर फेस्टिवल के सिलसिले में कोझिकोड में पहले से तय कार्यक्रमों के कारण बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे और इसकी जानकारी पार्टी को दे दी गई है। हाल ही में वायनाड में हुए लक्ष्य 2026 लीडरशिप कैंप के दौरान पार्टी के भीतर मतभेद सुलझाने की कोशिश हुई थी।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने बाइक टैक्सी से बैन हटाया, कहा- सरकार परमिट जारी करे

एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में अब बाइक टैक्सी चल सकेंगी। शुक्रवार को कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को परमिट जारी करने का निर्देश दिया। चीफ जस्टिस विभु बखरू और जस्टिस सी एम जोशी की बेंच ने सुनवाई की। बेंच ने कहा- ओला, उबर समेत एप बेस्ड एग्रीगेटर कंपनियों की अर्जी स्वीकारी गई है। मौजूदा कानूनों के तहत जरूरी परमिशन पर बाइक को ट्रांसपोर्ट व्हीकल के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। बेंच ने कहा है कि बाइक टैक्सी चलाने वाले वाहन मालिकों या एग्रीगेटर कंपनियों को जरूरी लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा। राज्य सरकार बाइक टैक्सी रेगुलेशन में शर्तें लगा सकती है, लेकिन सिर्फ इसलिए रजिस्ट्रेशन की अर्जी खारिज नहीं कर सकती कि वाहन बाइक है। अप्रैल 2025 में हाईकोर्ट ने बेंगलुरु में बाइक टैक्सी पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि जब तक राज्य सरकार मोटर व्हीकल्स एक्ट के तहत नियम नहीं बनाती, तब तक इनपर बैन रहेगा।

❐ **पीली नंबर प्लेट वाली बाइक भी कमर्शियल व्हीकल**

नम्मा बाइक टैक्सी एसोसिएशन बैन हटाने की मांग कर रहा था: कोर्ट के फैसले से हजारों बाइक टैक्सी चालकों को राहत मिली है, जिनकी सेवाएं जून 2025 में बंद हो गई थीं। हाईकोर्ट ने सरकार के प्रतिबंध पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राज्य में बाइक टैक्सी संचालन पूरी तरह ठप हो गया था। सभी वर्कर्स बैन लगने की वजह से कमाने और अपने परिवार का पेट पालने का हक खो रहे हैं। कृपया इस मामले में दखल दीजिए। कर्नाटक में बाइक टैक्सी चालकों का प्रतिनिधित्व करने वाली नम्मा बाइक टैक्सी एसोसिएशन लगातार सरकार से प्रतिबंध हटाने की मांग कर रही थी। एसोसिएशन ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की थी। लेटर में कहा था कि पूरे कर्नाटक में एक लाख से ज्यादा गिग वर्कर्स बाइक टैक्सी सर्विस पर निर्भर हैं।

बेजुबानों पर जुल्म और सभ्यता की कसौटी- तेलंगाना में आवारा कुत्तों की हत्याएं,कानून,करुणा और भारतीय लोकतंत्र की आत्मा पर सवाल

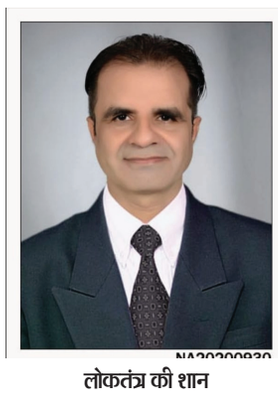

लोकतंत्र की शान

» सभ्यता की पहचान यह नहीं कि वह ताकतवर को कैसे बचाती है, बल्कि यह है कि वह सबसे कमजोर के साथ कैसा व्यवहार करती है।

» आवारा कुत्तों की सामूहिक हत्याओं की घटनाएं केवल पशु क्रूरता का मामला नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज के भीतर बढ़ती असहिष्णुता,प्रशासनिक विफ़लता और संवेदनहीनता का भयावह संकेत हैं

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर ईश्वर, अल्लाह,गॉड नाम भिन्न हो सकते हैं, लेकिन सृष्टि का मूल भाव एक है,जीवन। भारतीय दर्शन में कहा गया है कि सृष्टि में 84 लाख योनियाँ हैं और प्रत्येक योनि का अपना एक विशिष्ट उद्देश्य, संतुलन और महत्व है। मानव को इस सृष्टि में सबसे बुद्धिजीवी प्राणी इसलिए माना गया क्योंकि उसे सोचने,समझने निर्णय लेने और करुणा दिखाने की क्षमता दी गई। किंतु जब यही मानव अपनी सुविधा,भय यास्वार्थ के लिए अन्य जीवों के जीवन का अंत करने लगे,तब सवाल केवल कानून का नहीं, बल्कि सभ्यता,नैतिकता और मानवता का बन जाता है।पिछले कुछ दिनों से तेलंगाना, विशेष रूप से हैदराबाद और याचाराम गांव से सामने आ रही आवारा कुत्तों की सामूहिक हत्याओं की घटनाएं केवल पशु क्रूरता का मामला नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज के भीतर बढ़ती असहिष्णुता, प्रशासनिक विफलता और संवेदनहीनता का भयावह संकेत हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि प्रकृति में कोई भी जीव अनावश्यक नहीं है।कुत्ते,बिल्ली हाथी,घोड़े ये सभी केवल पालतू या आवारा प्राणी नहीं,बल्कि जैविक संतुलन की महत्वपूर्ण कड़ियाँ हैं।कुत्ते चूहे जैसे रोग वाहक जीवों की संख्या नियंत्रित करते हैं, इलाके की सुरक्षा का संकेत देते हैं और मनुष्य के सबसे पुराने साथी रहे हैं।विडंबना यह है कि जो मानव प्रकृति कारक्षक होना चाहिए था,वही आज सबसे बड़ा भक्षक बनता जा रहा है।जनवरी 2026 से अब तक तेलंगाना में 500 से अधिक कुत्तों की हत्या की खबरें सामने आ चुकी हैं।ताजा मामलों में याचाराम गांव में लगभग100 कुत्तों को जहर देकर मार दिया गया,जबकि इससे पहले भी कई इलाकों में सामूहिक मौतें रिपोर्ट की गई थीं।पशु चिकित्सा विशेषज्ञों ने स्ट्राइकिन इंजेक्शन के उपयोग का संदेह जताया है, एक ऐसा न्यूरोटॉक्सिन, जो कुछ ही मिनटों में कुत्ते को भीषण ऐंठन, असहनीय पीड़ा और श्वसन विफलता के जरिए मौत की ओर धकेल देता है। यह तरीका न केवल अमानवीय है, बल्कि गैरकानूनी और आपराधिक भी है। साथियों बात अगर हम भारत में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत स्ट्राइकिन का उपयोग पूर्णत:प्रतिबंधित है, इसको समझने की करें तो इसके बावजूद यदि यह जहर खुलेआम इस्तेमाल हो रहा है,तो सवाल उठता है, क्या यह केवल कुछ व्यक्तियों की क्रूरता है या प्रशासनिक मिलीभगत और लापरवाही?किसी भी पंचायत, सरपंच या स्थानीय निकाय को कुत्तों को मारने का अधिकार नहीं है।यदि ऐसा किया गया है, तो यह सीधा-सीधा क्रिमिनल एक्ट है। साथियों बातें कर हम बच्चे पर हमला:भय बनाम समाधान की राजनीति इसको समझने की करें तो हैदराबाद के सुराराम मार्केट मस्जिद के पास एक गली में आवारा कुत्तों द्वारा पांच वर्षीय बच्चेपर हमला हुआ, बच्चा घायल हुआ,उसेअस्पताल ले जाया गया। यह घटना गंभीर और चिंताजनक है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।लेकिन प्रश्न यह है,क्या एक घटना का समाधान 100 कुत्तों को मार देना है?क्या भय का जवाब जहर और हत्या हो सकता है?सभ्य समाज में समाधान भावनात्मक उन्माद से नहीं, बल्कि वैज्ञानिक, कानूनी और मानवीय नीति से निकलता है। साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी और राज्यों की जवाबदेही को समझने की करें तो 13 जनवरी को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह राज्यों की जवाबदेही तय करेगा,आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भूमिका पर भी विचार करेगा पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश दे सकता हैन्यायालय ने यह भी माना कि पिछले पांच वर्षों में एनिमल बर्थ कंट्रोल नियमों का बेहद खराब क्रियान्वयन हुआ है। यानी समस्या कुत्तों की नहीं,शासन की असफलता की है। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे पर कानूनी स्थितिः क्या कुत्तों को मारना वैध है? इसको समझने की करें तो स्पष्ट और निर्विवाद उत्तर नहीं।किसी भी स्वस्थ कुत्ते को मारना अपराध है,केवल गंभीर रूप से बीमार या रेबीज-ग्रस्त कुत्तों को ही,पशु चिकित्सक की सलाह से मानवीय इच्छामृत्यु दी जा सकती है इसके अलावा हर हत्या पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के तहत दंडनीय अपराध है।याचाराम मामला:लोकतंत्र के नाम पर हिंसा-याचाराम गांव में आरोप है कि सरपंच ने चुनावी वादे निभाने के लिए कुत्तों को जहर दिलवाया। यह घटना लोकतंत्र की आत्मा पर तमाचा है। यदि जनप्रतिनिधि ही कानून तोड़ेंगे, तो आम नागरिक से संवेदनशीलता की उम्मीद कैसे की जा सकती है?पुलिस द्वारा सरपंच, सचिव और अन्य पर केस दर्ज होना स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन सवाल यह है,क्या यह कार्रवाई मिसाल बनेगी या केवल औपचारिकता रह जाएगी? सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार दोनों ने स्पष्ट किया है कि एनिमल बर्थ कंट्रोल ही एकमात्र समाधान है।इसके अंतर्गतकुत्तों की नस, बंदीरेबीज टीकाकरण इलाके में वापस छोड़ना यह मॉडल न केवल कुत्तों की संख्या नियंत्रित करता है, बल्कि मानव-पशु संघर्ष को भी कम करता है।दुनियाँ के कई देशों में यह मॉडल सफलता पूर्वक लागू है। साथियों बात अगर हम डॉग लवर्स नहीं, डॉग राइट्स एक्टिविस्ट इसको समझने की करें तो अक्सर डॉग लवर्स शब्द को व्यंग्य की तरह इस्तेमाल किया जाता है, जबकि सच यह है कि ये लोग कानून और करुणा के रक्षक हैं। यही कार्यकर्ता हत्याओं को उजागर कर रहे हैं,पुलिस में शिकायत दर्ज करा रहे हैं,सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर कर रहे हैं यदि ये आवाजें न हों, तो बेजुबानों की चीखें कभी दर्ज ही न हों। साथियों बात अगर हम इस विषय को अंतरराष्ट्रीय नजरिए से देखकर समझने की करें तो भारत की छवि पर असर पड़ता है।जब भारत विश्व गुरु, मानवाधिकार और करुणा आधारित सभ्यता की बात करता है, तब ऐसी घटनाएं हमारी वैश्विक छवि को गहरा नुकसान पहुंचाती हैं।संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय पशु अधिकार संगठन पहले से ही ऐसे मामलों पर नजर रखते हैं।यह केवल कुत्तों का मामला नहीं है, यह सवाल है कि हम किस तरह का समाज बनना चाहते हैं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार रिपोर्ट शैली तेलंगाना राज्य में जनवरी 2026 से अब तक 500 से अधिक आवारा कुत्तों की कथित सामूहिक हत्या मानवाधिकार और पशु कल्याण मानकों के गंभीर उल्लंघन को दर्शाती है। विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सिद्धांत यह मानते हैं कि पशुओं के साथ किया गया संगठित और क्रूर व्यवहार सामाजिक हिंसा के व्यापक पैटर्न की चेतावनी होता है। रिपोर्टों के अनुसार, कुत्तों को प्रतिबंधित न्यूरोटॉक्सिन स्ट्राइकिन के माध्यम से मारा गया, जो भारत के घरेलू कानूनों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय पशु कल्याण मानदंडों का भी उल्लंघन है। यह घटनाएं ऐसे समय पर सामने आई हैं जब भारत का सर्वोच्च न्यायालय आवारा पशुओं के मानवीय प्रबंधन, राज्य की जवाबदेही और पीड़ितों के मुआवजे पर विचार कर रहा है। इन मामलों में निर्वाचित स्थानीय प्रतिनिधियों की कथित संलिप्तता लोकतांत्रिक शासन, जवाबदेही और कानून के शासन पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है, जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए भी चिंता का विषय है। अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बेजुबानों की हत्या,इंसानियत की हार,तेलंगाना में जो हुआ, वह केवल 500 कुत्तों की मौत नहीं है,यह संविधान के मूल्यों, कानून के शासन और मानवीय करुणा की हत्या है।यदि हम आज बेजुबानों के लिए नहीं बोले,तो कल जब अन्याय किसी और पर होगा,तो आवाज उठाने वाला कोई नहीं बचेगा।सभ्यता की पहचान यह नहीं कि वह ताकतवर को कैसे बचाती है, बल्कि यह है कि वह सबसे कमजोर के साथ कैसा व्यवहार करती है।

-संकलनकर्ता लेखक-
क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक
चिंतक कवि संगीत माध्यमा
सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन
सनमुखदास भावनानीं गोंदिया
महाराष्ट्र 9284141425

समाज को मासूम कलियों को रौंदने से बचाना होगा?

नरेन्द्र भारती

इतिहास गवाह है कि देश में लड़कियों ने शिक्षा, राजनीति,से लेकर हर क्षेत्र में सफलता की इबारतें लिखी हैं।बेशक 24 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय बालिका दिवस के रुप में मनाया जा रहा है मगर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए हैं। केवल मात्र एक दिन बालिकाओं की सुरक्षा के दावे किए जातें हैं संकल्प लिए जाते हैं उसके बाद 364 दिनों तक मासूम कलियों को रौदा जाता है। समूचे देश में बालिका दिवस पर भाषण प्रतियोगिताएं करवाई जाती हैं,सैमीनार लगाए जातें हैं ,कवि सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं।मगर सुधार शून्य ही रहता है।अगर सही मायनों में बालिकाओं को सुरक्षित बनाना है तो समाज के हर वर्ग को इसमें सहयोग देना होगा तभी ऐसें आयेजन सफल हो सकते हैं अन्यथा सुधार संम्भव नही हो सकता। बालिकाओं की स्थिति बहुत ही दयनीय होती जा रही है। समाज में बालिकाओं पर अत्याचार हो रहे हैं उनसे दुष्कर्म किए जा रहे हैं मासूम कलियों की हत्याएं की जा रही है। कन्या भ्रूण हत्याएं हो रही है लिंग अनुपात घटता जा रहा है। मंदिरों ,झाड़ियों में नवजात शिशु फैके जा रहे है जिनमें अधिकांश लडकियां होती है। समाज किस ओर जा रहा है वह यह क्यों नहीं सोचता कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी।कन्या भ्रूण हत्या के लिए समाज जिम्मेवार है।आज लड़कियां हर क्षेत्र में अपना नाम चमका रही है हर शिखर पर परचम लहरा पही है। आज धरती से लेकर आकाश तक बेटियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाकर समाज को बता दिया कि हम किसी से कम नहीं है। आज बेटियां एवरेस्ट पर्वत पर पहुच रही है ,हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही है।वंश परपरा की खातिर कोख में ही कत्ल किए जा रहे है। आज भले ही मानव 21वीं सदी में पहुच चुका है मगर उसकी सोच में कोई बदलाव नहीं आया है। आज सरकारों द्वारा बेटी है अनमोल जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे है मगर कुछ तथाकथित दकियानूसी सोच रखने वाले लोगों के कारण ऐसे कार्यक्रमों पर बटटा लग रहा है जो लड़के की चाहत में ऐसे घिनौने कार्य कर रहे हैं ऐसे लोगों को कसाई कहना चाहिए जो जानबूझ कर ऐसे रुह कंपा देनं वाले कार्यों को बेखौफ होकर अंजाम दे रहे है।समाज को ऐसें लोगो को बहिष्कृत करना चाहिए जो लड़कियों के जन्म पर मातम मनाते हैं। समाज के लोग गैर जिमेदार होते जा रहे हैं क्योकि समाज में कोई इन घटनाओं को रोकने के लिए आगे नही आ रहा है। अगर समाज जागरुक हो जाएगा तो इस पर रोक लग सकती है।आज भारत में ऐसे मामलों में इजाफा हो रहा है। ऐसी घटनाएं सभ्य समाज का अभिशाप बनती जा रही हैं। कन्या भूरण हत्या एक अपराध है मगर लोग निडर होकर बच्चियों को कूडेदानों व सुनसान जगहो पर फैंक रहे है यह पतन की पराकाष्ठा है अगर समय रहते इन घिनौने कार्य पर रोक नहीं लगाई तो आने वाला कल बहुत ही विनाशकारी होगा।ऐसी वारदातो से समाज का अहित होता है। यह एक चिन्ता का विषय बनता जा रहा है समाज के बुद्विजीविओं को बालिकाओं के बचाने के लिए चिंतन करना चाहिए।बेटा-बेटी के अन्तर को खत्म करना होगा। अगर हर मां-बाप यह सोच रखें की उसकी जो भी संतान होगी चाहे लड़का हो या लड़की उसका कत्ल नहीं किया जाएगा तो लिंग अनुपात में सुधार हो सकता है मगर समाज के लोगों को यह बात कौन समझायगा लोग अपनी मनमानी करते है अगर समाज के लोग सक्रिय हो जाएं जो इन लोगों पर नजर रखी जा सकती है जो लिंग जांच करवाने के बाद बेटियों का बेरहमी से कत्ल करवाते है समय-समय पर देश के राज्यों से ऐसे समाचार आते रहतें है ऐसे क्लिनिक चलाने वाले डाक्टरों को सजा ए मौत देनी चाहिए जो ऐसें नीच काम करते हैं । ऐसे लोगों को जल्लाद कहना गलत नहीं होगा जो जानबूझर अजन्मी कन्ययओं मौत के घाट उतार रहे हैं ।चंद मुठठी भर लोग समाज का वातावरण खराब कर रहे है। समाज में गरीब लोग मेहनत मजदूरी करके अपनी बच्चियों का पालन-पोषण कर रहे है ऐसे घिनौने कार्यों को सरमाएदार लोग ही अंजाम देते है। क्योकि अमीर लोगों पर कोई उगली नही उठाता।बेटियों को कोख में ही खत्म करवाने वाले राक्षसो को सूली पर टांगना चाहिए।समाज के यही तथाकथित अमीर लोग नवरात्रों में कंजको को पूजते है मगर एक दिन पूजा करे इनके पाप नही घुल सकते क्योकि इनके पापों की सजा खुदा जरुर देगा।महिलाओं को भी इस को रोकने के लिए आगे आना होगा ऐसे लोगो को सजा दिलवानी होगी। अगर महिलाएं इसके विरुद्ध खड़ी हो जाए तो इन पर पूर्ण रुप से रोक लग सकती है।मगर वंश परंपरा के कारण कई महिलाएं भी दोषी है।केन्द्र सरकार को इन मामलो पर संज्ञान लेना होगा। आज की बालिका कल की स्त्री है उसके बगैर समाज की कल्पना नहीं जा सकती।

शिक्षा रोजगार का टिकट नहीं, जीवन का दर्शन बने

लेखक - -ललित गर्ग

विश्व शिक्षा दिवस कोरा उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, यह सोचने का क्षण कि शिक्षा क्या है, किसके लिए है और किस दिशा में समाज को ले जा रही है। भारत इस संदर्भ में केवल एक देश नहीं, बल्कि एक जीवित सभ्यता है, जिसने शिक्षा को कभी भी मात्र रोजगार या सूचना का साधन नहीं माना, बल्कि जीवन-निर्माण, चरित्र-गठन और आत्मबोध की प्रक्रिया के रूप में जिया है। आज जब दुनिया ज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अभूतपूर्व दौर में खड़ी है, तब भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा और उसके शैक्षिक सूत्र वैश्विक नेतृत्व का आधार बन सकते हैं। इस वर्ष की थीम 'शिक्षा के सह-निर्माण में युवाओं की शक्ति' है, जो शांति और विकास के लिए शिक्षा के महत्व पर केंद्रित है, यह दिन शिक्षा को एक मौलिक अधिकार और भविष्य की पूंजी के रूप में रेखांकित करने के लिए मनाया जाता है, ताकि गरीबी मिटाई जा सके, लैंगिक समानता लाई जा सके और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिसकी आवश्यकता इसलिए भी है क्योंकि लाखों बच्चे एवं युवा शिक्षा से वंचित हैं और यह दिन युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस, शांति और विकास के लिए शिक्षा की भूमिका का जश्न मनाता है। यह शिक्षा को एक मौलिक मानवाधिकार, सार्वजनिक हित और जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करता है। यह दिन गरीबी के चक्र को तोड़ने और लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देता है। यह दिन शिक्षा को भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी मानता है, जो समाज को अंधकार से बाहर निकाल सकती है और भविष्य के निर्माताओं को तैयार कर सकती है। भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा का मूल मंत्र था-"सा विद्या या विमुक्तये", अर्थात् वही विद्या है जो मुक्त करे। गुरुकुलों में शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं थी; वह आचरण, अनुशासन, प्रकृति के साथ सामंजस्य, गुरु-शिष्य संवाद और जीवनोपयोगी कौशल का समन्वय थी। गुरु केवल विषय का अध्यापक नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टा होता था और शिष्य केवल परीक्षा-उत्तीर्ण करने वाला विद्यार्थी नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक। आश्रम-व्यवस्था में रहकर विद्यार्थी सेवा, श्रम, ध्यान, तर्क और प्रयोग-इन सबके माध्यम से समग्र व्यक्तित्व का विकास करता था। यह शिक्षा आत्मनिर्भरता सिखाती थी, प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि सह-अस्तित्व का बोध कराती थी और ज्ञान को जीवन से जोड़ती थी। औपनिवेशिक काल में यह समग्र शिक्षा व्यवस्था व्यवस्थित रूप से ध्वस्त की गई। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति का उद्देश्य भारतीयों को शिक्षित बनाना नहीं, बल्कि प्रशासन के लिए "क्लर्क" तैयार करना था-ऐसे लोग जो सोच में अंग्रेज़ हों, रंग में भारतीय। इस पद्धति ने शिक्षा को जीवन से अलग कर दिया, भाषा को जड़ों से काट दिया और ज्ञान को रटंत, अंक-केंद्रित और नौकरी-उन्मुख बना दिया। आज़ादी के बाद भी दुर्भाग्यवश, भारत लंबे समय तक उसी ढांचे में फंसा रहा। विद्यालय और विश्वविद्यालय बढ़े, लेकिन शिक्षा की आत्मा कमजोर होती चली गई। डिग्रियों की संख्या बढ़ी, पर कौशल, नैतिकता और नवाचार का संकट गहराता गया। स्वतंत्र भारत की शिक्षा प्रणाली ने कुछ सकारात्मक प्रयास अवश्य किए-सार्वजनिक विश्वविद्यालय, वैज्ञानिक संस्थान, तकनीकी शिक्षा लेकिन व्यापक स्तर पर शिक्षा समाज की आवश्यकताओं से कटती गई। पाठ्यक्रम बोझिल होते गए, परीक्षाएं स्मृति-आधारित बनती गईं और शिक्षक-छात्र संवाद औपचारिकता में सिमट गया। शिक्षा रोजगार का टिकट बन गई, जीवन का दर्शन नहीं। यही कारण है कि आज शिक्षित युवा भी दिशाहीनता, बेरोजगारी और मानसिक तनाव से जूझ रहा है। इसी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आती है। यह नीति केवल संरचनात्मक सुधार नहीं, बल्कि वैचारिक बदलाव का संकेत देती है। इसमें भारतीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने, बहु-विषयक अध्ययन, रटंत विद्या से मुक्ति, कौशल विकास, अनुसंधान, नवाचार और नैतिक शिक्षा पर बल दिया गया है। यह नीति स्पष्ट रूप से मैकाले की शिक्षा पद्धति से बाहर निकलने की दिशा में कदम है-जहां शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सक्षम, सृजनशील और संवेदनशील मानव का निर्माण है।

नई शिक्षा नीति में कौशल विकास, अनुभवात्मक अधिगम, खेल, कला और व्यावसायिक शिक्षा को महत्व देना, उच्च शिक्षा में विषयों की कठोर सीमाओं को तोड़ना-ये सभी कदम गुरुकुल परंपरा की आधुनिक पुनर्व्याख्या जैसे हैं। मातृभाषा में शिक्षा का आग्रह न केवल संज्ञानात्मक विकास को सुदृढ़ करता है, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास भी लौटाता है। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा-योग, आयुर्वेद, दर्शन, गणित, खगोल को वैश्विक संदर्भ में पुनर्स्थापित करने का अवसर देती है। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि नीति और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बड़ी चुनौती है। व्यापक परिवर्तन की अपेक्षाएं अभी अधूरी हैं। शिक्षा को वास्तव में कौशल विकास का केंद्र बनाना होगाकृजहां विद्यार्थी केवल पढ़े नहीं, बल्कि कर सके, सोच सके, समस्या सुलझा सके। पाठ्यपुस्तकों और रटंत विद्या से हटकर शिक्षा को जीवन-विकास का आधार बनाना होगा। शिक्षक को फिर से "गुरु" की भूमिका में लाना होगा-मार्गदर्शक, प्रेरक और सहयात्री के रूप में। तकनीकी विकास, नवाचार और एआई के युग में भारतीय शिक्षा पद्धति के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर, उसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनना है-डिजिटल साक्षरता, डेटा, विज्ञान और तकनीक में अग्रणी होना है। दूसरी ओर, उसे मानवीय मूल्यों, करुणा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी सुरक्षित रखना है। यदि शिक्षा केवल तकनीक सिखाएगी और विवेक नहीं, तो वह विनाश का उपकरण बन सकती है। भारत की शक्ति यही है कि वह विज्ञान और अध्यात्म, तकनीक और तत्त्वज्ञान, नवाचार और नैतिकता-इन सबका संतुलन सिखा सकता है। भारतीय शिक्षा पद्धति में वह सामर्थ्य है कि वह दुनिया को एक नया दर्शन और नया शिक्षा-सूत्र दे सके, जहां शिक्षा उपभोग नहीं, साधना हो; जहां ज्ञान सत्ता नहीं, सेवा बने; जहां प्रतिस्पर्धा के साथ सह-अस्तित्व भी हो। "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना आज वैश्विक शिक्षा का सबसे प्रासंगिक मंत्र बन सकती है। इक्कीसवीं सदी का मानव और मानव समाज केवल तकनीकी दक्षता या आर्थिक प्रगति से पूर्ण नहीं हो सकता। उसकी संरचना तब तक अधूरी रहेगी, जब तक शिक्षा परिपक्व, समग्र और मूल्यनिष्ठ न हो। आज दुनिया को ऐसे अभिनव मानव की आवश्यकता है जो आध्यात्मिक चेतना से संपन्न हो और वैज्ञानिक दृष्टि से सक्षम भी। शिक्षा का स्वरूप ऐसा हो, जिसमें ज्ञान केवल सूचना न बने, बल्कि विवेक, संवेदना और उत्तरदायित्व का विस्तार करे। मूल्यप्रवाहित शिक्षा व्यक्ति को मानवीय बनाती है और योग शिक्षा उसे आत्म-संयम, संतुलन तथा अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। इन दोनों का समन्वय ही ऐसी शिक्षा को जन्म दे सकता है, जो व्यक्ति को आत्मकेंद्रित नहीं, बल्कि विश्वकल्याण की दिशा में उन्मुख करे। भारत के अनेक आध्यात्मिक संत महापुरुषों ने शिक्षा को समग्रता देने के लिये इस विषय पर गंभीर चिन्तन-मंथन किया।

महान् दार्शनिक संत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने जीवन विज्ञान के रूप में एक समग्र चिन्तन एवं योजना शिक्षा को परिपूर्णता देने के लिये प्रस्तुत की है। उनके अनुसार मानवता का भविष्य श्रम, अर्थ और संयम-इन तीनों के सामंजस्यपूर्ण विकास पर निर्भर है। श्रम और अर्थ जीवन के मौलिक एवं व्यावहारिक पक्ष हैं, जो समाज की गतिशीलता और आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करते हैं; वहीं संयम जीवन का आध्यात्मिक पक्ष है, जो भोग की अंधी दौड़ को रोककर संतुलन और शांति की स्थापना करता है। यदि शिक्षा अथवा प्रशिक्षण इन तीनों आधारों पर निर्मित नहीं होता, तो जीवन की समग्रता केवल एक कल्पना बनकर रह जाती है। अतः शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार सृजन नहीं, बल्कि ऐसे मनुष्य का निर्माण होना चाहिए जो श्रमशील हो, अर्थसचेत हो और संयमशील भी-यही समग्र शिक्षा, समग्र मानव और समग्र समाज की आधारशिला है। जरूरत है यदि भारत अपनी प्राचीन गुरुकुल परंपरा की आत्मा को आधुनिक संदर्भ में पुनर्जीवित कर सके, नई शिक्षा नीति को जमीनी सच्चाई में बदल सके और शिक्षा को जीवन, समाज और प्रकृति से जोड़ सके, तो वह निश्चय ही विश्व का मार्गदर्शन करने में सक्षम होगा। यह केवल भारत की आवश्यकता नहीं, बल्कि मानवता की आवश्यकता है। विश्व शिक्षा दिवस पर भारत का आह्वान यही हो सकता है कि शिक्षा मनुष्य को मशीन नहीं, मानव बनाए; उसे केवल कुशल नहीं, संवेदनशील बनाए; और उसे केवल वर्तमान के लिए नहीं, भविष्य के लिए तैयार करे।

एक संत के राज्य में संतो के अपमान से हिल सकती है सत्ता की कुर्सी

लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन

हिंदू धर्म में शंकराचार्य का पद आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार प्रमुख पीठों (ज्योतिर्मठ, द्वारका, पुरी और श्रृंगेरी) के प्रमुखों का है, जो अद्वैत वेदांत और सनातन धर्म के संरक्षक माने जाते हैं। यह पद पूरी तरह से धार्मिक है, लेकिन यह पद बार-बार राजनीतिक विवादों का केंद्र बनता रहा है।इन विवादों में पीठ के उत्तराधिकार झगड़े, धार्मिक बयानों का राजनीतिक उपयोग, सरकारी हस्तक्षेप और राजनीतिक दलों से जुड़ाव प्रमुख कारण रहे है। ये विवाद धार्मिक स्वायत्तता बनाम राजनीतिक प्रभाव का कारण बनते हैं। राजनेताओं ने संतो को सम्मान व समर्थन के बदले अपने वोट बैंक में बढ़ोतरी की चाह रखी है।इतना भर तो ठीक था,लेकिन विगत18-19 जनवरी 2026 को प्रयागराज के माघ मेला में मौनी अमावस्या पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए उनकी पालकी को जाने से रोका गया। पुलिस ने भीड़ और अनुमति का हवाला दिया, जिससे शंकराचार्य के शिष्यों के साथ पुलिस की झड़प हो गई।गुस्साए पुलिस कर्मियों ने शंकराचार्य के शिष्यों के साथ जमकर दुर्व्यवहार किया।विवाद बढने पर मेला प्रशासन ने संतो से क्षमा याचना करने व दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के बजाए 20 जनवरी को 24 घंटे का नोटिस शंकराचार्य को जारी कर दिया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के सन 2022 के आदेश का हवाला देकर पूछा गया कि वे शंकराचार्य शब्द शीर्षक कैसे इस्तेमाल कर रहे हैं जबकि उनके उत्तराधिकार मामला कोर्ट में है।इस नोटिस से नाराज़ होकर शंकराचार्य ने अनशन शुरू कर दिया और कहा कि न मुख्यमंत्री, न राष्ट्रपति शंकराचार्य यह तय कर सकते हैं कि शंकराचार्य कौन है और कौन नही?इसके बाद मामले को लेकर राजनीति शुरू हो गई है।इस मुद्दे पर कांग्रेस उत्तर प्रदेश सरकार पर हमलावर हो गई है। कांग्रेस ने इसे भाजपा का धर्मद्रोह और साधुओं का अपमान करना बताया है।कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि स्वामी को निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा, केदारनाथ में 228 किलो सोने की चोरी और कोविड के समय में गंगा में तैरते शवों पर सवाल उठाए थे। जबकि भाजपा ने इसे प्रशासनिक मुद्दा कहकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की। वही शंकराचार्य के समर्थकों ने इसे राजनीतिक साजिश बताया है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जानबूझकर शंकराचार्यों और संतों का अपमान कर रही है और सनातन परंपराओं को तोड़ रही है।उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव ने कहा कि शंकराचार्य और संत, समाज के गर्व हैं और अनगिनत श्रद्धालु आशीर्वाद लेने उनके पास जाते हैं जो सनातन धर्म की परंपराओं का हिस्सा है।उन्होंने आरोप लगाया, "भाजपा इन परंपराओं को तोड़ रही है। संतों और शंकराचार्यों का जानबूझकर अपमान किया जा रहा है। भाजपा सरकार ने अपने अधिकारियों के जरिए शंकराचार्यों के साथ दुर्व्यवहार किया है।"हालांकि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज से उनके अपमान को लेकर माफी मांगते हुए उनसे ससम्मान गंगा स्नान करने व विवाद समाप्त करने की अपील की है,लेकिन संत होते हुए भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उक्त मुद्दे पर चुप्पी को लेकर आमजन में आक्रोश व्याप्त है।इस मुद्दे पर योगी सरकार से नाराज़ भाजपा के कुछ लोगो ने पार्टी छोड़ने का भी ऐलान किया है।(लेखक ज्वलंत मुद्दों के जानकार वरिष्ठ साहित्यकार है)

एक और वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी की दौड़ में भारत

चैंपियनशिप के लिए लगाई बोली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को हाल ही में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली थी और अब वह एक और वैश्विक टूर्नामेंट में मेजबानी हासिल करने की जुगत में है। भारत 2028 में होने वाले दो बड़े अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए प्रयास कर रहा है जिसके लिए राष्ट्रीय महासंघ ने भुवनेश्वर में विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और अहमदाबाद में विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगाई है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 2024 के अंत में विश्व एथलेटिक्स प्रमुख सेबेस्टियन को के भारत दौरे के दौरान ही अहमदाबाद में 2028 विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगा दी थी। विश्व एथलेटिक्स की टीम ने कलिंगा स्टेडियम का किया निरीक्षण

ताजा घटनाक्रम में एएफआई ने भुवनेश्वर में 2028 विश्व इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी बोली लगाई है। विश्व एथलेटिक्स की दो सदस्यीय टीम ने बुधवार को भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम परिसर में अत्याधुनिक इंडोर सुविधा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष और पूर्व एएफआई अध्यक्ष आदिल सुमरीवाला के साथ ओडिशा सरकार के अधिकारी भी मौजूद थे। विश्व एथलेटिक्स मार्च में 2028 और 2030 जूनियर विश्व चैंपियनशिप के मेजबान देशों की घोषणा करेगा। विश्व इंडोर चैंपियनशिप के मेजबान शहर की घोषणा भी इसी महीने होने की संभावना है। मालूम हो कि एएफआई ने 2028 एशियन इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी भुवनेश्वर को लेकर बोली लगाई है। यह इंडोर स्टेडियम मार्च में भारत की पहली राष्ट्रीय इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करने जा रहा है। अहमदाबाद 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और वह 2031 विश्व (सीनियर) एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी बोली लगा रहा है।

एडम मिल्ने टी20 विश्व कप से बाहर

इस खतरनाक तेज गेंदबाज की न्यूजीलैंड टीम में एंट्री

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने एडम मिल्ने के चोटिल होने के कारण उनकी जगह तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को अपनी टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया है। मिल्ने बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण इस अहम टूर्नामेंट से बाहर हो गए। मिल्ने को यह चोट पिछले रविवार को एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप और एमआई केप टाउन के बीच मैच के दौरान लगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि स्कैन में इस चोट की गंभीरता सामने आई।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः कोरेंटिन मौटेट को हराकर

अल्काराज चौथे राउंड में

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के चौथे राउंड में जगह बना ली है। अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मुकाबले में अल्काराज ने फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट को सीधे सेटों में 6-2, 6-4, 6-1 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। दूसरे सेट में 3-0 की बढ़त के बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम गंवा दिए, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 4-4 पर अहम ब्रेक हासिल किया और दो सेट की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में उन्होंने पूरी तरह दबदबा बनाते हुए डबल ब्रेक लिया और दो घंटे पांच मिनट में मैच समाप्त कर दिया। मैच के बाद अल्काराज ने कहा, 'कोरेंटिन जैसे खिलाड़ी के खिलाफ खेलना आसान नहीं होता। आपको कभी नहीं पता कि अगला पॉइंट कैसा होगा। मैच को पढ़ना मुश्किल था, लेकिन मुझे कोर्ट पर बहुत मजा आया। हम दोनों ने शानदार शॉट्स खेले और कुछ बेहतरीन पॉइंट्स बने।'

अल्काराज अब 19वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल से भिड़ेंगे। अब तक टूर्नामेंट में एक भी सेट न गंवाने वाले अल्काराज अगर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत लेते हैं, तो वह सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। 22 साल के अल्काराज का इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड 87-13 हो गया है। उन्होंने 100 मैचों में सर्वश्रेष्ठ मेजर रिकॉर्ड के मामले में दिग्गज ब्योर्न बोर्ग की बराबरी कर ली। स्पेन के इस खिलाड़ी ने इससे पहले मेलबर्न में दो बार क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया है। इस बार वे खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने इस मामले में कई महान खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है। राफेल नडाल और जॉन मैकेनरो ने अपने पहले 100 मेजर मैचों में 86-14 का रिकॉर्ड बनाया था, जबकि नोवाक जोकोविच 79-21 और रोजर फेडरर 80-20 के आंकड़े तक पहुंचे थे। अल्काराज के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी जैनिक सिनर ने पिछले साल विंबलडन में अपना 100वां मेजर मैच खेला था, जहां उनका रिकॉर्ड 81-19 रहा।

बीबीएल

डेविड वार्नर ने सिडनी थंडर के साथ एक साल का करार बढ़ाया

सिडनी, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर लीग क्रिकेट में फिलहाल अपना जलवा बरकरार रखना चाहते हैं। मौजूदा बीबीएल में सिडनी थंडर के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले वॉर्नर ने अगले सीजन के लिए भी टीम के साथ करार कर लिया है। सिडनी थंडर ने इसकी जानकारी शुक्रवार को दी। सिडनी थंडर के साथ एक साल का करार बढ़ने पर 39 साल के वार्नर ने कहा, 'मैं थंडर के साथ एक और सीजन खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक मुश्किल साल था। हम इस सीजन में मैदान पर उतरी टीम से कहीं बेहतर टीम हैं और लगातार अच्छा खेल नहीं दिखा पाए। हमारे फैंस का समर्थन, हर गेम में बड़ी संख्या में आना, इसने मेरे रुकने के फैसले में बहुत बड़ी भूमिका निभाई।' वार्नर ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे पास इस टीम और इस गेम को देने के लिए बहुत कुछ है। मैं अपने परफॉर्मेंस से काफी सहज महसूस कर रहा था और टीम को लड़ने का मौका देने पर गर्व महसूस कर रहा था। हमने पहले ही सीजन का रिव्यू करना शुरू कर दिया है और बीबीएल 16 में एक और मजबूत कैंपेन देने के लिए सही प्लान बना रहे हैं।' थंडर के जनरल मैनेजर ट्रेंट कोपलैंड ने कहा कि वार्नर के साथ एक साल का साथ बढ़ाना कोई बड़ी बात नहीं थी। हम बहुत खुश हैं कि डेवी एक और सीजन के लिए टीम में बने हुए हैं। उनका साल शानदार रहा है। वह न सिर्फ पिछले 15 सालों में दुनिया के सबसे महान टी20 खिलाड़ियों में से एक हैं, बल्कि बीबीएल के सबसे अच्छे बल्लेबाजों में से एक हैं। उनका फिटनेस लेवल भी बहुत अच्छा है। एक लीडर के तौर पर टीम के लिए निराशाजनक सीजन को बेहतर बनाने की उनकी भूख और उनका जोश पहले की तरह ही मजबूत है। बिग बैश लीग के 15वें सीजन में वॉर्नर की कप्तानी वाली सिडनी थंडर का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। टीम 10 मैचों में 2 जीत और 8 हार के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे (आठवें स्थान पर) रही। बतौर बल्लेबाज वॉर्नर का प्रदर्शन शानदार रहा। बाएं हाथ के बल्लेबाज वॉर्नर मौजूदा सीजन के शीर्ष स्कोरर हैं। 8 मैचों की 8 पारियों में 3 बार नाबाद रहते हुए 2 शतक और 2 अर्धशतक की मदद से उन्होंने 433 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 130 रहा। इस दौरान उनका औसत 86 और स्ट्राइक रेट 154.09 रहा। दूसरे स्थान पर 430 रन के साथ मौजूद फिन एलेन फाइनल मुकाबले में उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं।

अदार पूनावाला ने दिखाई RCB को खरीदने में दिलचस्पी

कहा-मजबूत बोली लगाने की तैयारी कर रहा हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले ये चर्चा जोरों पर है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का ऑनर बदल सकता है। इन खबरों के बीच सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ और मशहूर उद्योगपति अदार पूनावाला ने आरसीबी को खरीदने में दिलचस्पी सार्वजनिक रूप से दिखाई है। अदार पूनावाला ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आने वाले कुछ महीनों में आरसीबी के लिए एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी बोली लगाने की तैयारी कर रहा हूं। यह आईपीएल की सबसे बेहतरीन टीमों में से एक है।' आईपीएल 2025 में टीम के चैंपियन बनने और सेलिब्रेशन के दौरान हुए हादसे के बाद फ्रेंचाइजी के बिकने की चर्चाएं होती रही हैं। पूर्व में भी कई बार फ्रेंचाइजी के बिकने की खबर आई है जो अब तक गलत साबित हुई है, लेकिन आरसीबी के चैंपियन बनने, टीम की फैन फॉलोइंग और हाल में हुए विवादों के बाद मालिकाना हक बदलने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। जानकारी के मुताबिक पूनावाला के अलावा, विजय किरागंदूर की कंपनी होम्बले फिल्म्स भी आरसीबी को खरीदने की दौड़ में शामिल मानी जा रही है। होम्बले फिल्म्स 'केजीएफ' और 'कांतारा' जैसी सुपरहिट फिल्मों की निर्माता है। आरसीबी आईपीएल की मौजूदा चैंपियन है। लगातार 17 साल निराशा झेलने के बाद आरसीबी ने 18वें सीजन (आईपीएल 2025) में पहली बार खिताब जीता।

व्यापार

सेंसर टावर की रिपोर्ट

भारत एप डाउनलोड में दुनिया में सबसे आगे

● माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म ने भी बढ़ाई गति

नई दिल्ली, एजेंसी। जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने की तेज रफ्तार के चलते भारत एप डाउनलोड के मामले में दुनिया का अग्रणी देश बन गया है। आलम यह है कि देश में 2025 में 25.5 अरब एप डाउनलोड हुए, जो वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा है। खास बात है कि भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जहां एप डाउनलोड में सालाना वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि, डाउनलोड की यह संख्या 2023 के 25.9 अरब से कम, लेकिन 2024 के 24.6 अरब की तुलना में ज्यादा है। सेंसर टावर की स्टेट ऑफ मोबाइल 2026 रिपोर्ट में कहा गया है कि एप डाउनलोड के साथ यूजर्स के जुड़ाव में भी वृद्धि दर्ज की गई।

पीएफसी बॉण्ड में मिलेगा एफडी से बेहतर रिटर्न बीच में बेचकर भी निकाल सकते हैं पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। जो निवेशक सोने और शेयर बाजार से हटकर सुरक्षित और फायदेमंद निवेश की तलाश में हैं, वे पब्लिक सेक्टर कंपनी पावर फाइनैंस कॉर्पोरेशन के जीरो कूपन बॉण्ड की ओर रुख कर सकते हैं। ये बॉण्ड 10 साल और 1 महीने की अवधि के लिए हैं। पीएफसीके इस पब्लिक इश्यू में निवेश करने की आखिरी तारीख 30 जनवरी है। ये बॉन्ड शेयर बाजार (स्टॉक एक्सचेंज) पर लिस्ट होंगे। इसका मतलब है कि जरूरत पड़ने पर निवेशक इन्हें बीच में भी बेचकर पैसा निकाल सकेंगे। आम निवेशक इन बॉण्ड को 50,780 रुपये में खरीद सकते हैं।

एफडी से बेहतर रिटर्न

जानकारों का कहना है कि ये बॉण्ड बैंक एफडी के मुकाबले कहीं बेहतर रिटर्न दे रहे हैं। उदाहरण के लिए, एसबीआई की 10 साल की एफडी पर 6.05 प्रतिशत ब्याज मिलता है। लेकिन ऊंचे टैक्स स्लैब वालों के लिए टैक्स कटने के बाद यह सिर्फ 4.24 प्रतिशत ही रह जाता है।

भारत की अर्थव्यवस्था के लिए टैरिफ से ज्यादा खतरनाक है प्रदूषण: गीता

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से भारत पर टैरिफ लगाया है, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए तरह-तरह की बातें होने लगी हैं। अब आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने भी भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी बात रखी है। उनकी नजर में ग्लोबल टैरिफ भारत की अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक नहीं है। गीता गोपीनाथ का कहना है कि भारत के आर्थिक विकास के लिए टैरिफ से कहीं ज्यादा खतरनाक प्रदूषण है। उन्होंने कहा कि इसे देश की सबसे बड़ी प्राथमिकता के तौर पर निपटाना चाहिए। यह बात उन्होंने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, दावोस में भारतीय अर्थव्यवस्था पर चर्चा के दौरान कही। गोपीनाथ ने बताया कि व्यापार बढ़ाने की चर्चाओं में अक्सर व्यापारिक बाधाओं और नियमों पर ध्यान दिया जाता है।

प्रदूषण को बताया चुनौती

उन्होंने कहा, मैं एक ऐसी बात बताना चाहती हूं जिस पर हम आमतौर पर व्यापार बढ़ाने की बात करते समय चर्चा नहीं करते।असर को देखें, तो यह अब तक भारत पर लगाए गए किसी भी टैरिफ के असर से कहीं ज्यादा गंभीर है। साल 2022 में जारी एक वर्ल्ड बैंक की स्टडी का हवाला देते हुए.

इंडिगो को बहुत भारी पड़ी फ्लाइट्स में गड़बड़ी

प्रॉफिट 78 प्रतिशत गिरा, सीनियर वाइस-प्रेजिडेंट की छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिसंबर में खत्म हुई तीसरी तिमाही में इंडिगो एयरलाइन का मुनाफा 78 प्रतिशत गिरकर 549.1 करोड़ रुपये पर आ गया। इस गिरावट की बड़ी वजह उड़ानों में हुई भारी गड़बड़ी और देश में लागू हुए नए लेबर कोड को माना जा रहा है। पिछले साल इसी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में इंडिगो को 2,448.8 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था, जो अब घटकर 549.1 करोड़ रुपये रह गया है।

इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की कुल आय चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बढ़कर 24,540.6 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 22,992.8 करोड़ रुपये थी। इंडिगो को दिसंबर महीने की शुरुआत में व्यापक स्तर पर परिचालन व्यवधानों का सामना करना पड़ा था। इसके बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम को 10 फरवरी तक 10 प्रतिशत तक

घटा दिया था। वकील ने यह भी कहा कि सबसे बुरी तरह प्रभावित उड़ानों के लिए 10,000 रुपये के वाउचर की पेशकश की जा रही है और यात्रियों के लिए मुआवजे का दावा करने के लिए एक वेबसाइट स्थापित की गई है। कोर्ट ने कंपनी को दो हफ्ते के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया। डीजीसीए के मुताबिक 3 से 5 दिसंबर 2025 के बीच 2,507 उड़ानें रद्द की गईं और 1,852 उड़ानों में देरी हुई। इससे देश भर के हवाई अड्डों पर तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने बताया कि संकट के बाद अधिकारियों द्वारा कई कदम उठाए गए थे। उन्होंने बताया कि एयरलाइन के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष को सेवा से बर्खास्त करने का आदेश दिया गया।

रिफंड की प्रक्रिया

इस बीच दिल्ली उच्च न्यायालय ने इंडिगो को पिछले साल दिसंबर में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने के कारण प्रभावित यात्रियों को रद्द टिकटों के लिए धन वापसी और मुआवजे के भुगतान के संबंध में एक हलफनामा दाखिल करने को कहा है। कंपनी के वकील ने मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ को बताया कि रद्द की गई उड़ानों के लिए रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और नागरिक उड्डयन नियमों के अनुसार उड़ानें रद्द होने पर मुआवजे की भी पेशकश की जा रही है। और कंपनी पर 22 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। इसके अलावा, बेहतर अनुपालन के लिए 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी मांगी गई और एयरलाइन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों, जैसे सीईओ और सीओओ को चेतावनी दी गई। मामले की अगली सुनवाई 25 फरवरी को होगी।

बुनियादी ढांचा सुधारों पर देना होगा जोर, बजट में इन्फ्रा खर्च को दोगुना कर सकती है सरकार

खर्च बढ़ाने से न सिर्फ लोगों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक चुनौतियों, टैरिफ संकट और कई देशों में तनाव के बीच सरकार अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाकर 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए 2026-27 के बजट में बुनियादी ढांचा (इन्फ्रा) परियोजनाओं पर खर्च को दोगुना कर सकती है। खर्च बढ़ाने से न सिर्फ लोगों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, बल्कि कमाई और खर्च में भी इजाफा होगा।

लॉजिस्टिक्स सेक्टर स्किल काउंसिल (एलएससी) का कहना है कि भारत को वैश्विक आर्थिक पावरहाउस के रूप में स्थापित करने के सपने को साकार करने के लिए बुनियादी ढांचा सुधारों और अलग-अलग क्षेत्रों में आवंटन बढाने की जरूरत है। उनका मानना है कि पिछले साल राज्यों को ब्याज-

मुक्त कर्ज के लिए 1.50 लाख करोड़ रुपये के आवंटन और हाईवे, शहरी परिवहन एवं स्मार्ट शहरों में ऐतिहासिक निवेश के आधार पर सरकार बजट में इन्फ्रा परियोजनाओं पर खर्च को दोगुना कर तीन लाख करोड़ कर सकती है। एलएससी के सीईओ रविकांत यमार्थी ने कहा, लॉजिस्टिक्स क्षेत्र जैसे-जैसे भारत की आर्थिक गति का इंजन बन रहा है. बजट-2026 आर्थिक वृद्धि दर बढ़ाने, रोजगार के अवसर सृजित करने और आत्मनिर्भर भारत में नए बेंचमार्क स्थापित करने का एक निर्णायक अवसर देता है। हाईवे, रेलवे और लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर में वर्षों के बड़े निवेश के बाद बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर आवंटन को दोगुना करने की संभावना से आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने और निवेश आकर्षित करने को बढ़ावा मिल सकता है।

इन्फ्रा के दम पर आएगी खपत की अगली लहर

संजय घोडावत ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्रेणिक घोडावत ने कहा, इन्फ्रा के दम पर ही देश में खपत की अगली लहर लाई जा सकती है। इसके लिए मॉडर्न वेयरहाउसिंग, कोल्ड-चेन फैसिलिटी और लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर जैसे खुदरा केंद्रित इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ाना होगा। वर्टेक्स ग्रुप के संस्थापक गगन अरोड़ा ने कहा, उम्मीद है कि सरकार विश्वस्तरीय डाटा सेंटर में बड़े निवेश, इन सुविधाओं के लिए किफायती बिजली टैरिफ, अत्याधुनिक कंप्यूटिंग नेटवर्क और एआई हार्डवेयर बनाने वाली कंपनियों को टैक्स में राहत दे सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)